दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 312
■ दमण, बुधवार
02, सितंबर 2026
■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु
■ RNI NO-DDHIN/2005/16215
■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई जैसे शहरों के लाखों लोग हो सकते हैं प्रभावितः संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस

■ रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह के असर को लेकर दी गईं कई गंभीर चेतावनियां

जिनेवा,(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई जैसे शहरों में रह रहे लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। सोमवार को जारी रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह करीब छह मिलीमीटर दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र का जलस्तर बढ़ने से इसके कई द्वीप काफी हद तक डूब सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया के निचले डेल्टा इलाकों और भारत के मुंबई जैसे शहरों में सबसे बड़ा असर लोगों के विस्थापन के रूप में दिख रहा है। यहां 1.4 करोड़ से ज्यादा लोगों के घर हमेशा के लिए पानी में डूबने का खतरा है। इस डरावनी स्थिति के होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में असिस्टेंट सेक्रेटरी-जनरल ने कहा कि समुद्र का बढ़ता जलस्तर एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि उन इलाकों में लोग अपना तटीय इलाका खो रहे हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि समुद्र के बढ़ते जलस्तर को एक बड़ी व्यवस्थागत समस्या के तौर पर देखें, क्योंकि इसका असर सेहत, खाद्य सुरक्षा, मानवाधिकारों और संस्कृति पर पड़ेगा। आप अपनी पुश्तैनी जमीन और अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए सरकारों को इस मुद्दे को अपनी योजना बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। पिछले सप्ताह नेपाल-तिब्बत सीमा पर हिमालय से ग्लेशियर के टूटने और नीचे गिरने से पानी और कीचड़ का सुनामी जैसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई इलाके बर्बाद हो गए। दक्षिण एशिया पर ग्लेशियरों के पिघलने या नीचे गिरने के असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हिमालय के ग्लेशियरों को तीसरा ध्रुव माना जाता है। उन्होंने कहा, हमारे पास उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव हैं और दक्षिण एशिया में दुनिया के ग्लेशियरों का बड़ा जमावड़ा होने के कारण इसे तीसरा ध्रुव माना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से पहले ही शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जल प्रणालियों, परिवहन, ऊर्जा ग्रिड, इमारतों और भूजल संसाधनों को नुकसान पहुंच रहा है। इसके दूरगामी परिणाम हो रहे हैं, जो लंबे समय में मानवाधिकारों के प्रभावी उपभोग के लिए खतरा पैदा करते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हालांकि समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा सबसे अधिक द्वीपीय देशों को महसूस होगा, लेकिन यह खतरा भौगोलिक सीमाओं को नहीं मानता। उदाहरण के लिए, अमेरिका में मियामी और न्यूयॉर्क और चीन में ग्वांगझू जैसे ज्यादा आय वाले शहरों में मुख्य असर तटीय इंफ्रास्ट्रक्चर पर पड़ने वाला भारी वित्तीय जोखिम है, जिसमें खतरे में पड़ी संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 2 ट्रिलियन डॉलर से 3.5 ट्रिलियन डॉलर के बीच है।

दमण में प्रशासन द्वारा आयोजित रोजगार मेला में बडी संख्या में युवाओं को मिला रोजगारः दमण के उद्योगों ने दी नौकरियां

■ भाजपा के नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने रोजगार मेला में पहुंचकर युवाओं को किया प्रोत्साहित, प्रशासन और उद्योगजगत का माना आभार

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने विभिन्न स्टॉलों पर पहुंचकर युवाओं एवं आयोजकों के साथ की चर्चा

■ डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल, काउंसिलरों में सिंपल टंडेल, तमन्ना मिठाणी, अस्पी दमणिया, पीयूष पटेल, कल्पेश सीताराम, नीला राणा, कपिला ओड, भाविका टंडेल, रश्मि हलपति ने स्टॉल का किया विजिट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 सितंबर।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में दमण के कोली पटेल हॉल में जिला प्रशासन द्वारा आज रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेला में बडी संख्या में युवाओं ने पहुंचकर रोजगार के लिए आवेदन किया। इस दौरान रोजगार मेला में विभिन्न कंपनियों द्वारा लगाये गये स्टॉल के माध्यम से बडी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित रोजगार मेला में भाजपा के नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर युवाओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल, काउंसिलरों में सिंपल टंडेल, तमन्ना मिठाणी, अस्पी दमणिया, पीयूष पटेल, कल्पेश सीताराम, नीला राणा, कपिला ओड, भाविका टंडेल, रश्मि हलपति ने रोजगार मेला की मुलाकात ली। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने रोजगार मेला में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों पर जाकर युवाओं के लिए उपलब्ध कराए जा रहे रोजगार एवं उसकी प्रक्रिया सहित को लेकर आयोजकों एवं युवाओं के साथ बातचीत की। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन द्वारा आयोजित किये गए रोजगार मेला के अनूठी पहल की प्रशंसा भी की। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उद्योगजगत का भी आभार माना।

प्रशासक प्रफुल पटेल के संघ प्रदेश थ्रीडी में शासन के 10 साल पूरे होने पर सोमनाथ ग्राम पंचायत की अनोखी पहलः सरपंच वर्षिका पीयूष पटेल ने महिलाओं के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 सितंबर। संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के शासन के सफलतम् 10 पूरे होने के अवसर को सोमनाथ ग्राम पंचायत की सरपंच वर्षिका पीयूष पटेल ने अनोखे तरीके से मनाते हुए उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था की। सरपंच वर्षिका पटेल ने पहले चरण में 10 महिलाओं की कंप्यूटर ट्रेनिंग शुरू कराई। इन महिलाओं को कंप्यूटर ट्रेनिंग मिलने से उनके लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। सरपंच वर्षिका पटेल ने कहा कि पिछले एक दशक में प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में महिला सशक्तिकरण अभियान गांव-गांव तक पहुंचा है। उनसे ही प्रेरणा लेकर मैंने हमारे क्षेत्र की महिलाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। सरपंच वर्षिका पटेल ने कहा कि डिजिटल भारत तभी सशक्त होगा, जब हमारी देश की महिलाएँ भी डिजिटल रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनेंगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात महिलाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा, ताकि वे अपने कौशल के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

गोवा(ईएमएस)। इंडिगो की गोवा-दिल्ली फ्लाइट को मंगलवार गोवा में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान इंजन में खराबी की सूचना मिलने पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कुछ समय के लिए फुल इमरजेंसी घोषित कर दी थी। इंडिगो की फ्लाइट 6ई2102 सुबह 9:16 बजे गोवा से रवाना हुई, लेकिन एक इंजन में खराबी की सूचना मिलने के बाद वह एयरपोर्ट वापस लौटने लगी। हवाई जहाज सुबह 9:51 बजे रनवे 28 पर सुरक्षित उतरा और स्टैंड 6 पर पूरी तरह से पार्क हो गया, जिसके बाद एटीएस ने सुबह 10:03 बजे फुल इमरजेंसी खत्म कर दी। सभी यात्री सुरक्षित रूप से उतरे और उन्हें बोर्डिंग एरिया में ठहराया गया। एविएशन ट्रैकर फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों से पता चला कि विमान दक्षिणी महाराष्ट्र के तट से गोवा लौट रहा था। हवाई अड्डे की ओर मुड़ते समय वह लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था।

ममता बनर्जी की भतीजी ने की खुदकुशी

कोलकाता(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी भतीजी वृष्टि मुखर्जी ने आत्महत्या कर ली है। मंगलवार दोपहर को रामपुरहाट में उनके घर पर उनका शव फंदे से लटका मिला। परिवार का कहना है कि उन्होंने आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक, वृष्टि पिछले 4-5 साल से डिप्रेशन से परेशान थीं और इलाज चल रहा था। पश्चिम बंगाल स्कूल भर्ती घोटाले में उनका नाम आने के बाद उनकी सरकारी नौकरी (ग्रुप-सी) छिन गई थी। हाल में तलाक के मामले से भी वे तनाव में थीं। वृष्टि, ममता बनर्जी के ममेरे भाई निहार मुखर्जी की बेटी थीं। निहार रामपुरहाट में तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष रह चुके हैं। परिवार का ननिहाल रामपुरहाट के कुसुम्बा गांव में है। वे एक स्थानीय स्कूल में ग्रुप-सी कर्मचारी थीं।

पीएनबी में 17 करोड़ के नकली नोट मिले

सहारनपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट में करीब 17 करोड़ रुपए के नकली नोट मिले हैं। बैंक ऑडिट के दौरान यह मामला सामने आया। इसके बाद मंगलवार सुबह 8 बजे पीएनबी के 6 अफसर दो गाड़ियों से पहुंचे। 4 घंटे से बैंक के अंदर हैं। सूत्रों के मुताबिक बैंक कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं। इस मामले में अब तक 3 अफसरों को सस्पेंड किया गया है। पीएनबी मेरठ के चीफ मैनेजर और जांच अधिकारी अरुण कुमार चौबे की शिकायत पर तीन अफसरों समेत 4 लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।

एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत, 15 से ज्यादा घायल

-खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालु की पिकअप खड़े ट्रक से टकराई

पलवल (एजेंसी)। हरियाणा के कुंडली-मानसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें 6 की मौत हो गई और कम से कम 15 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर से दर्शन कर उत्तर प्रदेश लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में पिकअप और ट्रक दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की राहत टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक एक्सप्रेसवे के किनारे खड़े ट्रक का अंदाजा न लग पाने या अचानक असंतुलन बिगड़ने के कारण पिकअप सीधे उसमें जा घुसी। दुर्घटना में घायल हुए 15 लोगों को तुरंत नजदीकी नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। मामले की जांच शुरु कर दी है।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद एनकाउंटर में मालिक घायल

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी की जिस अवैध पटाखा फैक्ट्री में सोमवार को विस्फोट हुआ था, उसके मालिक को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसे पैर में गोली लगी है। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। मंगलवार तड़के 4 बजे सैयद सरावां इलाके में मुठभेड़ हुई थी। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले 8 बच्चों समेत 11 लोगों का पोस्टमॉर्टम होगा। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक नौशाद, उसकी पत्नी, बेटे समेत परिवार के 6 लोगों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पत्नी शबाना को हिरासत में भी लिया है।

सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय अदालत का फैसला भारत ने मानने से किया इनकार

विदेश मंत्रालय ने कहा- इस फैसले का भारत की परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय स्थायी मध्यस्थता अदालत के अंतरिम फैसले को भारत ने मानने से इनकार कर दिया है। भारत ने इस अदालत को अवैध बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के संप्रभु निर्णयों पर फैसला सुनाने का इस अदालत को कोई अधिकार नहीं है। उसने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि को रोकने का हमारा फैसला लागू रहेगा। अपने अंतरिम आदेश में सोमवार को नीदरलैंड के हेग स्थित इस अंतरराष्ट्रीय अदालत ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ जल-साझाकरण संधि का पालन करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत कश्मीर क्षेत्र में निर्माणाधीन एक जलविद्युत संयंत्र पर भी काम को सीमित करे। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इस अदालत के फैसले का अब या भविष्य में भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसने कहा कि भारत ने कभी भी इस अंतरराष्ट्रीय अदालत को मान्यता नहीं दी है और लगातार कहा है कि इस कथित मध्यस्थता निकाय की स्थापना सिंधु जल सं?धि का सीधा-सीधा उल्लंघन है और वह इसके फैसले को उसी तरह खारिज करता है जैसे पहले की सभी घोषणाओं को करता आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पहलगाम हमले में अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था और भारत द्वारा पिछले साल कश्मीर क्षेत्र में दो जलविद्युत परियोजनाओं की जलाशय क्षमता बढ़ाने के काम शुरू करने के बाद कानूनी कार्रवाई का रास्ता पकड़ा था। दोनों देशों के बीच 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी, उसके बाद से दोनों में तीन युद्ध और छोटे-बड़े कई संघर्ष होने के बावजूद इस संधि पर कोई असर नहीं पड़ा था। वे इस पर अमल करते आ रहे थे। स्थायी मध्यस्थता

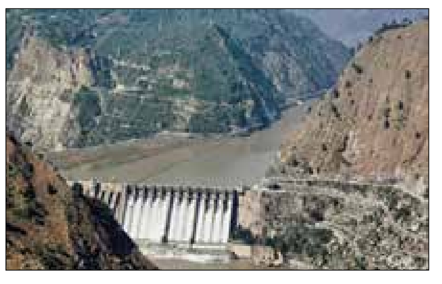

कोर्ट ने कहा कि सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत के पास समझौते को समाप्त करने या निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है।

अंतर-सरकारी अदालत ने कहा कि भारत को संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए, जिसमें पश्चिमी नदियों पर उसकी जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से संबंधित दायित्व भी शामिल हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ अगले साल जुलाई तक यह तय करेगा कि हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत संयंत्रों का निर्माण संधि के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है : राज्यपाल पटेल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, स्टार्टअप, व्यवसाय और कई क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रही हैं लेकिन उन्हें आगे बढ़ने के लिए सही सोच, अवसर और परिवार का सहयोग मिलना जरूरी है। एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल आनंदीबेन पटेल ने विश्वास जताया कि आने वाले सालों में महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, उद्यमिता और नेतृत्व के हर क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएंगी।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि नारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उन्हें अवसर के साथ-साथ नेतृत्व और फैसले लेने का अधिकार भी मिलना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि संघ के कार्यों में मातृशक्ति का योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। महाना ने कहा कि संघ में महिलाओं का सम्मान सर्वोच्च है और उनका सहयोग परिवार, सेवा तथा समाज को साथ लेकर चलने की शक्ति प्रदान करता है। आनंदीबेन पटेल ने पुस्तक की लेखिका डॉ. शोभा विजेंद्र को पुस्तक के जरिए महिला सशक्तिकरण के विचारों को समाज तक पहुंचाने और देश के कई हिस्सों में संवाद की श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए बधाई दी।

सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन में पीएम चेहरे के रूप में राहुल गांधी का किया समर्थन

-तमिलनाडु में टीवीके और कांग्रेस के बीच मतभेद की अटकलों पर लगा विराम

हल्द्वानी, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन में मतभेद की अटकलों पर विराम लग गया है। कांग्रेस विधायक दल की नेता ताराहाई कथबर्ट ने स्पष्ट किया है कि टीवीके के प्रमुख और सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन के पीएम पद के उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी का समर्थन किया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कथबर्ट ने कहा कि विजय और राहुल गांधी के बीच संबंध बहुत मजबूत हैं। हाल ही में एक सर्वे में विजय को पीएम पद की पसंद में तीसरा स्थान मिलने के बाद टीवीके समर्थकों के उत्साह में कुछ बातें सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बातें कार्यकर्ताओं का उत्साह थीं, पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं। टीवीके आधिकारिक रूप से राहुल गांधी को ही 2029 के पीएम उम्मीदवार के रूप में देखती है।
इसके बाद टीवीके ने शीर्ष पद के लिए विजय का नाम आगे बढ़ाया, जिससे कांग्रेस ने गठबंधन छोड़ने की धमकी दी, जब तक कि वह इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री चेहरे के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन न करें। उन्होंने कहा कि कुछ हलकों में विजय के प्रधानमंत्री बनने की जो बातें हो रही थीं, वे टीवीके कार्यकर्ताओं के उत्साह के कारण थीं और वे नेतृत्व के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाती थीं। उन्होंने कहा कि सीएम विजय ने राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार के तौर पर चुना है। वे इसी तरह आगे बढ़ रहे हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने राहुल गांधी को चेन्नई में अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था, जहां उन्होंने सार्वजनिक रूप से उन्हें अपना भाई कहा था। राहुल गांधी ने भी टीवीके सरकार के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। इस बीच कथबर्ट ने कहा कि कांग्रेस तमिलनाडु में स्वतंत्र रूप से विस्तार कर रही है और टीवीके के अधीन काम नहीं करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक और स्वायत्त पार्टी है। उन्होंने उत्तराखंड के हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ हाल ही में दर्ज एफआईआर को बीजेपी की राजनीतिक घबराहट बताया था। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी राहुल गांधी की व्यापक जन-स्वीकार्यता से डरी हुई है और वे 2029 में प्रधानमंत्री बनेंगे।

मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना कराने पर लगाया ब्रेक

-जनगणना से पहले एनआरसी को अपडेट करने की मांग पर लिया फैसला

इम्फाल, एजेंसी।
जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना अभियान को स्थगित करने का फैसला लिया है! यह फैसला मणिपुर के नागरिक संगठनों की उस मांग के बाद लिया गया, जिसमें जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की मांग की गई थी। जनगणना के तहत राज्य में घरों की सूची बनाने का काम 1 सितंबर से शुरू होना था।
मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में मणिपुर की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान राज्य के लोगों की ओर से जनगणना को टालने और पहले एनआरसी लागू करने की मांग पर भी चर्चा हुई। बैठक में मणिपुर के लोगों की भावनाओं और उनकी आकांक्षाओं को

देखते हुए राज्य में प्रस्तावित जनगणना को फिलहाल टालने पर सहमति बनी।
मणिपुर में एनआसी लागू करने की मांग मुख्य रूप से मैतेई और नगा समुदायों की ओर से उठाई गई है। इन समुदायों में आशंका है कि एनआरसी के बिना जनगणना कराने से राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव हो सकता है। उनका आरोप है कि पड़ोसी म्यांमार से अवैध प्रवासियों के आने के कारण राज्य की आबादी के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। म्यांमार से आने वाले कथित अवैध प्रवासियों के कुकी समुदाय से जातीय संबंध होने की बात भी कही जाती रही है। बैठक के बाद सीएम वाई. खेमचंद सिंह ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि केंद्र ने मणिपुर के लोगों की आवाज सुनी और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में फैसला लिया। सीएम ने बीजपी अध्यक्ष नितिन नबीन का भी मणिपुर के लोगों की मांगों को पूरा कराने में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद किया। बता दें मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। मैतेई समुदाय मुख्य रूप से घाटी वाले इलाकों में रहता है, जबकि कुकी समुदाय के लोग पहाड़ी जिलों में बड़ी संख्या में रहते हैं। इस हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। लगातार जारी जातीय संघर्ष और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। करीब एक साल बाद 4 फरवरी को इसे हटा दिया गया था।

जयराम का मोदी सरकार पर हमला: फज़ी सुर्खियों में व्यस्त पीएम

-महंगाई ने छीनी घर बनाने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर हमला बोलकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फर्जी सुर्खियां बनाने में व्यस्त हैं, जबकि देश को बढ़ती महंगाई का ज़बरदस्त झटका लग रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मोदी सरकार आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह कर रही है और हर हफ़्ते देश को कीमतों का नया झटका दे रही है।
उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई अब केवल रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि बढ़ती मंहगाई ने आम आदमी के घर बनाने के सपने को भी छीन लिया है। गरीब और मध्यम वर्ग को घर बनाने से लेकर बिजली के सामान तक हर चीज की बढ़ती कीमतों का ज़ोरदार झटका महसूस हो रहा है। रिपोर्ट का हवाला देकर कांग्रेस महासचिव रमेश ने बताया कि तांबे के तार की कीमत 850 से बढ़कर 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और एल्युमीनियम की कीमत भी लगभग दोगुनी हो गई है। इससे 1,000 वर्ग फुट के घर में वायरिंग का खर्च 50,000 रुपये से बढ़कर करीब 1 लाख हुआ है।
कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि सोलर पैनल 10-15 प्रतिशत महंगे हो गए हैं, जबकि पंखों, फ़ॉल्स सीलिंग और इलेक्ट्रिक आयरन जैसे घरेलू उपकरणों की कीमतों में भी 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। एलईडी और हैलोजन लाइटें भी लगभग 20 प्रतिशत महंगी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि स्विच, सॉकेट, मेन-लाइन

केबल, टाइल्स और लेबर चार्ज जैसे घर बनाने से जुड़े हर खर्च में इजाफा हुआ है। कांग्रेस सांसद रमेश ने मोदी सरकार पर अहंकार और आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि महंगाई आम लोगों की जेब पर हर तरफ से भारी चोट कर रही है।

सीजेपी के फिर आंदोलन के ऐलान से डरी सरकार, बात करने 2000 किमी दूर पहुंच गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
5 सितंबर को दिल्ली में फिर आंदोलन का ऐलान कर चुकी कॉकरोच जनता पार्टी को मनाने के लिए सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। जंतर-मंतर पर एक महीने तक आंदोलन करके सरकार को शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेने पर मजबूर कर चुकी सीजेपी ने अब इंडिया गेट से पुलिस हेडक्वॉर्टर तक प्रोटेस्ट मार्च निकालने का ऐलान किया है। सरकार ने सीजेपी को मनाने के लिए कोशिशें तेज कर दी हैं। सीजेपी नेता से बातचीत करने के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली से करीब 2000 किलोमीटर दूर पुडुचेरी तक गया। सीजेपी ने नए आंदोलन की जो तारीख चुनी है वह दिल्ली में होने जा रहे ब्रिक्स सम्मेलन से दूर नहीं है। ऐसे में सरकार नहीं चाहती कि जब रूस, चीन समेत करीब 20 देशों के प्रतिनिधि-राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली आएं तो सड़कों पर किसी तरह की अशांति नजर नहीं आए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी के सह संयोजक सौरभ दास ने सोमवार रात केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को जहां सकारात्मक बताया तो वहीं उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि सीजेपी को मनाने के लिए सरकार कितनी कोशिशें कर रही है। सौरभ ने बताया कि सरकार की तरफ से एक उच्च स्तरीय कमिटी उनसे लगातार संपर्क में है। यहां तक कि वह पुडुचेरी में अपने घर चले गए थे तो यह कमिटी वहां भी पहुंचा और तीन बार उनके बीच केसों को वापस लिए जाने और मुआवजे को लेकर बातचीत हुई। दास ने संकेत दिया कि सरकार और सीजेपी के बीच समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है और इसके तहत अब सरकार ने यह कदम उठाया है।
ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एक बार फिर सीजेपी सरकार को दबाव में लाने में कामयाब रही? माना जा रहा है कि ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए सरकार नहीं चाहती कि सितंबर की शुरुआत में दिल्ली में कोई आंदोलन हो जब ब्रिक्स बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियां अपने चरम पर हैं। माना जा रहा है कि एफआईआर रद्द कराए जाने के बाद सरकार मुआवजे पर भी जल्द कोई ऐलान करके सीजेपी से 5 सितंबर वाले प्रदर्शन की घोषणा को वापस लेने को कह सकती है।

फडणवीस का कांग्रेस पर हमला : महिला आरक्षण, सीजेपी और एनजीओ पर सवाल

पुणे, एजेंसी।
महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की घेराबंदी कर पूछा कि आखिर प्रियंका गांधी वाड्रा को मौके क्यों नहीं दिए गए और क्या कांग्रेस महिलाओं को मौका देने के पक्ष में है। सीएम फडणवीस ने कांग्रेस पर 2023 में परिसीमन प्रावधानों वाले महिला आरक्षण कानून का समर्थन करने के बावजूद अब उसका विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा 2029 तक महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करेगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने सीजेपी के कांग्रेस से गहरे संबंधों का दावा किया। उन्होंने सीजेपी आंदोलन को कांग्रेस जिताओ प्रोग्राम बताकर कहा कि यह कोई छोटा समूह नहीं, बल्कि इसके पीछे कई चेहरे और कांग्रेस से जुड़े लोग काम कर रहे हैं जो नए नामों से सामने आ रहे हैं। सीएम फडणवीस ने भारत जोड़ो अभियान को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले यह अभियान कांग्रेस का अपना नहीं था, बल्कि इसमें लगभग 180 अलग-अलग एनजीओ शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इनमें से अधिकतर एनजीओ को यूपीए सरकार ने ही अर्बन नक्सल करार दिया था। फडणवीस के अनुसार, इन संस्थाओं को कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ एक नैरेटिव बनाने के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इन एनजीओ की कोई जवाबदेही नहीं थी, ये चुनाव नहीं लड़ते थे और रोज़ झूठ फैलाते थे, जिसका भाजपा को जवाब देना पड़ता था।

दिल्ली में मसौदा मतदाता सूची से 47.5 लाख नाम हटाए गए, सबसे ज्यादा बुराड़ी से

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में 70 विधानसभा सीट की मसौदा मतदाता सूची के मुताबिक बुराड़ी में सबसे ज्यादा 1.67 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए। प्रतिशत के हिसाब से सबसे ज्यादा 47.85 फीसदी नाम तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में हटाए गए हैं। इसके बाद ओखला 45.33 फीसदी, कस्तूरबा नगर 44.03 फीसदी, और बदरपुर 42.67 फीसदी हैं। संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा नाम बुराड़ी में हटाए गए हैं, जो उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इसके बाद ओखला में 1.63 लाख, बदरपुर में 1,46,673, विकासपुरी में 1,46,225 और रिठाला में 1.06 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक संख्या के आधार पर सबसे कम 22,855 नाम दिल्ली कैंट में हटाए गए हैं।
इसके बाद रोहिणी 24,888, शकूर बस्ती 27,233, राजौरी गार्डन 30,856 और मटिया महल 32,099 हैं। प्रतिशत के हिसाब से सबसे कम 16.5 फीसदी नाम रोहिणी में हटाए गए हैं। इसके बाद शकूर बस्ती 18.74 प्रतिशत, राजौरी गार्डन 20.86 प्रतिशत, मंगोलपुरी 21.24 प्रतिशत और मटिया महल 24.5 प्रतिशत हैं। जिला स्तर पर मसौदा मतदाता सूची से सबसे ज्यादा 6.79 लाख नाम दक्षिण-पूर्वी दिल्ली जिले में हटाए गए हैं। वहीं, नई दिल्ली जिले में सबसे कम 60,170 नाम हटाए गए हैं। पूर्वी दिल्ली 5.70 लाख, उत्तर-पूर्वी दिल्ली 5.43 लाख, दक्षिणी दिल्ली 5.19 लाख और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली 3.71 लाख में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।
एसआईआर के बाद सोमवार को जारी दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची में मौजूदा 1.45 करोड़ मतदाताओं में से 47.5 लाख मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। मसौदा सूची जारी होने के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया गया है, जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची में नहीं हैं, वे अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची चार नवंबर को जारी की जाएगी।

भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों की भूमिका जनसंचार से कहीं अधिकः सूचना-प्रसारण सचिव

■ भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी शासन और नागरिक आकांक्षाओं के बीच महत्वपूर्ण कड़ी जो सटीक, विश्वसनीय और संवेदनशील सूचना द्वारा भरोसा उत्पन्न करते हैंः श्री चंचल कुमार ■ भारतीय जनसंचार संस्थान ने मानद विश्वविद्यालय के तौर पर आईआईएस प्रशिक्षु अधिकारियों को पहली स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की ■ आईआईएमसी की कुलपति ने कहा, जनसंचार का अर्थ केवल सूचना प्रसारित करना नहीं, बल्कि इसके प्रति समझ पैदा करना है

पीआईबी दिल्ली, 01 सितंबर। भारतीय जनसंचार संस्थान -आईआईएमसी ने आज भारतीय सूचना सेवा -आईआईएस के ग्रुप ए प्रशिक्षु अधिकारियों का पाठ्य समापन और दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जो 2009, 2023 और 2024 बैचों के लिए आयोजित किया गया।

समारोह में सूचना एवं प्रसारण सचिव श्री चंचल कुमार ने कहा कि जन संचार शासन का अभिन्न अंग है और इसे बदलती प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्मों के साथ विकसित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को उभरती प्रौद्योगिकियों की जानकारी होनी चाहिए, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है, जबकि गलत सूचना, असली जैसा प्रतीत होने वाले नकली वीडियो, ऑडियो या इमेज (डीपफेक) और कृत्रिम रूप से निर्मित सामग्री नई चुनौतियां पेश कर रही हैं।

सूचना-प्रसारण सचिव ने जोर देकर कहा कि जनसंचार दोतरफा प्रक्रिया होनी चाहिए, जिसमें लोगों की प्रतिपुष्टि, नीतियों और उनका कार्यान्वयन बेहतर बनाने में सहायक हो। उन्होंने कहा कि त्वरित सूचना देना महत्वपूर्ण है, लेकिन इसमें सटीकता और विश्वसनीयता से कोई समझौता नहीं हो सकता, क्योंकि प्रत्येक सूचना संस्था की प्रामाणिकता दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि जन संचार से जुड़े अधिकारियों को निरंतर अपना कौशल उन्नयन करना चाहिए, जमीनी स्तर पर जुड़े रहना चाहिए और संचार से परे अन्य दायित्व सौंपे जाने पर शासन के अन्य पहलुओं को समझने और अपनाने के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे बढ़कर, दायित्वों का निर्वहन लोगों को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। श्री चंचल कुमार ने कहा कि अधिकारियों को हमेशा यह पूछना चाहिए कि क्या उनका काम लोगों, विशेषकर सबसे निर्धन लोगों की मदद कर रहा है। यदि नहीं, तो उन्हें फिर से गौर कर नए सिरे से योजना बनाना चाहिए और हमेशा लोगों की चिंताओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उनकी सहायता के लिए काम करना चाहिए। समारोह में भारतीय जनसंचार संस्थान की कुलपति डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौर ने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने वाले पहले धारक हैं, जो जनसंचार के क्षेत्र में आईआईएमसी की शैक्षणिक भूमिका और व्यावसायिक प्रशिक्षण के बीच घनिष्ठ संबंध दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जनसंचार का अर्थ केवल सूचना भर देना नहीं, बल्कि इसके बारे में समझ विकसित करना है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से स्पष्टता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्व निभाने को कहा। डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौर ने कहा कि एमए डिग्री निरंतर विकसित हो रहे क्षेत्र में निरंतर सीखने के महत्व का स्मरण कराती है। समारोह में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अपर सचिव श्री प्रभात; संयुक्त सचिव श्री के.के. निराला; प्रशिक्षण महानिदेशक श्री एल. मधु नाग; वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित रहे।

8 सितंबर को वडोदरा आएंगे पीएम मोदी, गुजरात को देंगे रु.35 हजार करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

■ एमएस यूनिवर्सिटी के पवेलियन मैदान में विशाल जनसभा को करेंगे संबोधित, 10 हजार लोगों के जुटने की तैयारी ■ रेलवे, हाईवे और नगर निकाय से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का होगा लोकार्पण व शिलान्यास

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 8 सितंबर को वडोदरा के दौरे पर आएंगे। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर वडोदरा शहर में प्रशासन और भाजपा संगठन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे तथा एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए एमएस यूनिवर्सिटी के पवेलियन मैदान का चयन किया गया है। यहां करीब 10 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था किए जाने की तैयारी है। कार्यक्रम में संभावित भीड़ और आयोजन की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए इस मैदान को सभा स्थल के रूप में चुना गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को गुजरात के लिए विकास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री वडोदरा सहित गुजरात को करीब रु. 35,000 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे। इनमें रेलवे, हाईवे और नगर पालिका से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इसके साथ ही जिला प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का खातमुहूर्त यानी शिलान्यास भी प्रधानमंत्री के हाथों किए जाने की तैयारी है। विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ प्रधानमंत्री की जनसभा को लेकर भी भाजपा संगठन और प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री की सभा में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। सभा स्थल पर केवल पंजीकृत लोगों को ही प्रवेश दिए जाने की व्यवस्था निर्धारित की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने और कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रवेश प्रक्रिया को पहले से व्यवस्थित किया जा रहा है। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के पंजीकरण और प्रवेश को लेकर भाजपा संगठन की ओर से भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने वडोदरा दौरे के दौरान विभिन्न वर्गों के लोगों से भी मुलाकात कर सकते हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम में छात्रों, कॉरपोरेट क्षेत्र से जुड़े लोगों और शिक्षाविदों के साथ संवाद अथवा मुलाकात का कार्यक्रम भी शामिल है। इस दौरान प्रधानमंत्री विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ बातचीत कर सकते हैं और शिक्षा, उद्योग, विकास तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श की संभावना है। प्रधानमंत्री की जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए ऐसे नागरिकों के लिए भी व्यवस्था की जा रही है, जो मुख्य कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित नहीं हो सकेंगे। ऐसे लोगों तक प्रधानमंत्री का संबोधन पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों पर लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था किए जाने की तैयारी है। इससे शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद लोग भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लाइव देख सकेंगे। वडोदरा शहर में प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर भाजपा संगठन की गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। शहर भाजपा अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश सोनी के अनुसार, कार्यक्रम को लेकर आवश्यक आयोजन शुरू कर दिए गए हैं। बड़ी संख्या में लोगों तक प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को पहुंचाने के लिए संगठन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी सुरक्षा, यातायात, कार्यक्रम स्थल, प्रवेश व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियों पर काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे में एक ओर जहां करीब रु. 35 हजार करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास प्रस्तावित है, वहीं दूसरी ओर विशाल जनसभा और विभिन्न वर्गों के साथ संवाद का कार्यक्रम भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

2 सितंबर को 17 राज्यों में बारिश का अलर्ट, दिल्ली-यूपी से मध्य प्रदेश और बंगाल तक बिगड़ेगा मौसम

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के कई हिस्सों में मानसून की सक्रियता एक बार फिर बढ़ गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 2 सितंबर 2026 को देश के 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण पूर्वी भारत से लेकर उत्तर भारत के कई हिस्सों में बारिश का दौर तेज होने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में 2 सितंबर को बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आ सकती है और अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर बारिश के साथ आंधी, बिजली गिरने और कुछ इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। बिहार में भी व्यापक बारिश का अनुमान है और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिम बंगाल में कम दबाव वाले क्षेत्र के प्रभाव से कोलकाता सहित कई इलाकों में भारी बारिश जारी है। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में भी भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

वृंदावन में बाहरी गाड़ियों की नो एंट्री

मथुरा(ईएमएस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के विश्व प्रसिद्ध पर्व को लेकर मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का बड़ा प्लान तैयार किया है. 3 सितंबर सुबह 8 बजे से 5 सितंबर सुबह 9 बजे तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा. श्रद्धालुओं को मंदिरों तक सुगम और सुरक्षित पहुंचाने के लिए पूरे क्षेत्र को 7 जोन और 35 सेक्टर में बांटकर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है. भीड़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग एरिया, ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है. प्रमुख चौराहों और तिराहों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सूचना पट्टिकाएं भी लगाई जा रही हैं. जन्माष्टमी के दौरान भूतेश्वर, मसानी, डींग गेट, चौक बाजार, भरतपुर गेट, गोवर्धन चौराहा, मण्डी चौराहा, कृष्णापुरी और होलीगेट सहित कई स्थानों से कृष्ण जन्मभूमि की ओर जाने वाले वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा।

छात्रों के आंदोलन पर दर्ज 129 एफआईआर रद्द

■ सरकार ने निभाया वादाःसुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 5 सितंबर का मार्च भी रद्द

नई दिल्ली(ईएमएस)। पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के आंदोलन से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए दिल्ली समेत पांच राज्यों में दर्ज 129 एफआईआर को रद्द कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दिए गए आश्वासन के बाद यह कार्रवाई हुई। सरकार ने आंदोलन वापस लेने की शर्त पर छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने का वादा किया था। अब केंद्र के साथ बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और असम ने भी संबंधित मामलों को वापस लेने की मांग की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए मामलों को खत्म करने का आदेश दिया। अदालत ने साफ कहा कि रद्द की गई एफआईआर अब इतिहास हैं और इनके आधार पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। इस फैसले के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों से जुड़े संगठन ने 5 सितंबर को प्रस्तावित मार्च रद्द करने का फैसला किया है। यानी आंदोलन के दौरान सरकार और छात्रों के बीच बना टकराव अब बातचीत और न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए खत्म होने की दिशा में बढ़ गया है। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के दौरान दिल्ली में प्रदर्शन हिंसक हो गया था। इसके बाद राजधानी में छात्रों के खिलाफ 13 एफआईआर दर्ज की गई थीं। वहीं बिहार में 69, महाराष्ट्र में 34, पश्चिम बंगाल में 8 और असम में 5 एफआईआर दर्ज हुई थीं। इस तरह पांच राज्यों में कुल 129 मामले दर्ज किए गए थे। छात्रों की मांग थी कि आंदोलन से जुड़े मामलों को वापस लिया जाए, ताकि प्रदर्शन में शामिल युवाओं के भविष्य पर मुकदमों का असर न पड़े। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार ने 25 जुलाई को आंदोलनकारी संगठन के साथ समझौते के दौरान स्पष्ट आश्वासन दिया था कि आंदोलन समाप्त होने पर छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा। उन्होंने अदालत को बताया कि दिल्ली से संबंधित मामलों की सूची सौंप दी गई है। इसके बाद बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और असम की सरकारों ने भी अपने-अपने राज्यों में दर्ज मामलों को वापस लेने के लिए याचिकाएं दायर कीं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रम को सरकार की प्रतिबद्धता से जोड़ते हुए मामलों को समाप्त करने का रास्ता साफ कर दिया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े मामले किसी अन्य राज्य में दर्ज हैं, तो वहां भी जांच को आगे नहीं बढ़ाया जाए। सुप्रीम कोर्ट का यह रुख उन छात्रों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, जिनके खिलाफ आंदोलन में शामिल होने के कारण कानूनी कार्रवाई शुरू हुई थी। इस आदेश का असर केवल 129 एफआईआर तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि भविष्य में दूसरे राज्यों में दर्ज समान मामलों के निपटारे का रास्ता भी खुल सकता है।

CHANGE OF NAME

I HAVE DECLARE MY OLD NAME:- NOORMOHMAD GULAM KHALIFA TO **MY NEW NAME : NURMAMOD GULAM CALIFA**
ADDRESS :- 3/26, KHARAWAD, NANI DAMAN, DAMAN AND DIU, 396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM TEENAKUMARI JIVANSINH CHAUHAN TO **TEENABEN KAMLESHSINH RATHOD** AS PER DOCUMENTS.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM MANJU SHEKHAWAT TO NEW NAME **MANJU SHRAVANSINGH SHEKHAWAT.**
ADD. : FLAT NO. JUNIPER- A-401, PARK CITY, OPP YOGI HOSPITAL, AMLI, SILVASSA- 396230 UT OF DNH&DD

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM SHRAWAN SHEKHAWAT TO NEW NAME **SHRAWAN SINGH SHEKHAWAT**
ADD. : FLAT NO. JUNIPER- A-401, PARK CITY, OPP YOGI HOSPITAL, SILVASSA- 396230, UT OF DNH&DD

CHANGE OF NAME

OLD NAME : SHAIKH ABDUL WAHEED AND ABDUL WAHEED SHAIKH
NEW NAME : WAHEED SHAIKH
ADD : H.NO.S-2, S S COMPLEX, BHITWADI, MOTI DAMAN, DAMAN : 396 220

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 28/09/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0005842026
C. M. A. No. 328/2026

Dayaben Magan .... Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 672/2008, dated: 30/12/2008.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 01/09/2026

CIVIL JUDGE, S.D. COURT, DIU

By Order
A.S. / Superintendent,
Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 28/09/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0005862026
C. M. A. No. 329/2026

Ramgi Raichande & 1 Anr .... Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 23/1988, dated: 05/02/1988.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 01/09/2026

CIVIL JUDGE, S.D. COURT

By Order
A.S. / Superintendent,
Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida
Next date: 28/09/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-0005832026
C. M. A. No. 327/2026

Ratilal Ira & 1 anr .... Applicant/s
Vs
The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 65/1981, dated: 28/05/1981.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 01/09/2026

CIVIL JUDGE, S.D. COURT, DIU

By Order
A.S. / Superintendent,
Diu

सोन के पानी पर समझौता, अब असली परीक्षा

कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन का पानी अब केवल नदी का सवाल नहीं है। बिहार और झारखंड के बीच करीब 25 साल से चला आ रहा जल विवाद समझौते की मेज तक पहुंचा है। नई दिल्ली में दोनों राज्यों ने सोन नदी के जल बंटवारे पर समझौता किया है। हिस्सेदारी तय हो गई, लेकिन असली सवाल अब शुरू होता है–क्या यह पानी खेतों और घरों तक पहुंचेगा? क्या दोनों राज्य नदी को केवल बंटवारे की वस्तु मानने के बजाय साझा प्राकृतिक संसाधन की तरह देख पाएंगे? इस समझौते की सफलता इन्हीं सवालों के जवाब पर निर्भर करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन जल विवाद की पृष्ठभूमि 1973 के बाणसागर समझौते तक जाती है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड के गठन के बाद अविभाजित बिहार के हिस्से में रहे सोन के पानी के पुनर्वितरण का प्रश्न सामने आया। दोनों राज्यों के बीच यह मामला वर्षों तक उलझा रहा। अब बनी व्यवस्था के अनुसार बिहार को 5.75 मिलियन एकड़-फीट और झारखंड को 2 मिलियन एकड़-फीट पानी का हिस्सा निर्धारित किया गया है।

यह हिस्सा दोनों राज्यों के ग्रामीण जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। बिहार में भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना के बड़े इलाके सोन की सिंचाई व्यवस्था से जुड़े हैं। झारखंड में पलामू और गढ़वा सहित आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की जरूरत लंबे समय से बनी हुई है। ऐसे में जल की हिस्सेदारी का स्पष्ट निर्धारण दोनों राज्यों के लिए राहत का आधार बन सकता है।

बिहार में सोन की सिंचाई व्यवस्था ने कृषि को अपेक्षाकृत स्थिर आधार दिया है। वर्षा की अनिश्चितता बढ़ने के साथ इसकी उपयोगिता और बढ़ी है। समय पर सिंचाई मिले तो किसान एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल विविधीकरण की ओर बढ़ सकते हैं। उत्पादन और ग्रामीण आय में भी सुधार की संभावना है। झारखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में इसका महत्व और व्यापक है, जहां सिंचाई के साथ पेयजल भी बड़ी समस्या है।

लेकिन यहीं समझौते की पहली और सबसे कठिन परीक्षा है। पानी का हिस्सा तय हो जाना और पानी का खेत तक पहुंचना अलग-अलग बातें हैं। नहरों की क्षमता, उनकी मरम्मत, जलाशयों का संचालन, वितरण नेटवर्क, बिजली और स्थानीय सिंचाई व्यवस्था तय करेगी कि समझौते का लाभ वास्तव में किसे मिलता है। देश में अनेक सिंचाई परियोजनाओं का अनुभव रहा है कि स्रोत पर पानी मौजूद रहने के बावजूद कमजोर वितरण व्यवस्था के कारण उसका पूरा लाभ अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता।

इसलिए समझौते के साथ स्पष्ट क्रियान्वयन योजना जरूरी है। दोनों राज्यों के बीच संयुक्त निगरानी व्यवस्था होनी चाहिए। जल प्रवाह, उपलब्धता और उपयोग के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। किस मौसम में कितना पानी उपलब्ध है, कितना इस्तेमाल हुआ और किन क्षेत्रों को कितना पानी मिला–इनका नियमित हिसाब होना चाहिए। आधुनिक तकनीक से इसकी निगरानी संभव है। पारदर्शी आंकड़े राज्यों के बीच भरोसा बढ़ाने के साथ भविष्य के विवादों को भी रोक सकते हैं।

कम वर्षा या कम प्रवाह वाले वर्षों के लिए व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है। सामान्य परिस्थितियों में हिस्सेदारी लागू करना आसान हो सकता है, लेकिन जल संकट के समय ही किसी समझौते की मजबूती सामने आती है। ऐसे समय में पेयजल, सिंचाई और नदी के पर्यावरणीय प्रवाह के बीच प्राथमिकता कैसे तय होगी, यह पहले से स्पष्ट होना चाहिए। संकट के समय यदि नियम अस्पष्ट रहे तो पुराना विवाद नए रूप में लौट सकता है।

अमित शाह ने सोन समझौते को सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। इस वर्ष अंतरराज्यीय जल और उससे जुड़े कई मामलों में केंद्र की मध्यस्थता से सहमति बनी है। नर्मदा परियोजना से जुड़े राज्यों के बीच लंबित भुगतान का निपटारा, राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना पर समझौता तथा किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के बीच सहमति इसी क्रम में हुई है।

इन घटनाओं को केवल समझौतों की संख्या के रूप में देखने के बजाय संघीय राजनीति में बदलती कार्यशैली के संकेत के रूप में देखना चाहिए। जल विवादों को लंबे समय तक राजनीतिक टकराव और कानूनी प्रक्रिया में उलझाए रखने के बजाय बातचीत से हल करने की कोशिश सकारात्मक है। लेकिन सहकारी संघवाद का अर्थ केवल केंद्र की मध्यस्थता नहीं है। उसमें राज्यों के बीच बराबरी का भरोसा, पारदर्शिता और साझा जिम्मेदारी भी जरूरी है।

सोन के पानी का सवाल स्थानीय लोगों की भागीदारी से भी जुड़ा है। पानी के बारे में फैसले राजधानी में होते हैं, लेकिन उसका असर गांवों में दिखाई देता है। किसान, खेतिहर मजदूर, मछुआरे और नदी किनारे रहने वाले समुदाय नदी की बदलती स्थिति को सबसे पहले महसूस करते हैं। इसलिए जल प्रबंधन की व्यवस्था में स्थानीय अनुभव और जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए।

सोन को केवल सिंचाई की नहर में बदल देना भी दूरदर्शी नीति नहीं होगी। नदी का अपना पारिस्थितिक जीवन है। उसका प्राकृतिक प्रवाह भूजल पुनर्भरण, मिट्टी की नमी, जैव विविधता और नदी पर निर्भर आजीविका से जुड़ा है। यदि नदी से पानी निकालने की मात्रा बढ़ती रही और प्राकृतिक प्रवाह की चिंता नहीं की गई तो भविष्य में जल उपलब्धता का संकट और गहरा सकता है। जल बंटवारे में पर्यावरणीय प्रवाह को भी एक आवश्यक तत्व मानना होगा।

जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और गंभीर बना रहा है। बारिश का समय और वितरण पहले की तरह निश्चित नहीं रहा। कभी कम समय में अत्यधिक वर्षा होती है, तो कभी लंबे समय तक सूखा पड़ता है। इसलिए भविष्य की जल नीति को पुराने औसत आंकड़ों तक सीमित नहीं किया जा सकता। नदी के प्रवाह और जल उपलब्धता का लगातार वैज्ञानिक आकलन आवश्यक है।

जल प्रबंधन का अर्थ केवल नदी से अधिक पानी लेना भी नहीं है। वर्षाजल संचयन, भूजल पुनर्भरण, स्थानीय तालाबों और जल संरचनाओं का संरक्षण तथा सूक्ष्म सिंचाई जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। खेत में पानी की दक्षता बढ़ेगी तो नदी पर दबाव कम होगा। फसल चयन को भी स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप करने की जरूरत है।

इस समझौते का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि सोन के पानी को विवाद की वस्तु से साझा विकास के संसाधन में बदला जा सकता है। बिहार और झारखंड की ऐतिहासिक निकटता इस सहयोग को आधार देती है। दोनों राज्यों की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन कृषि और ग्रामीण जीवन के लिए पानी दोनों की समान आवश्यकता है।

इसलिए सोन समझौते को किसी एक राज्य की जीत या दूसरे की हार के रूप में देखना गलत होगा। पानी की साझेदारी का अर्थ है अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी साझा करना। बिहार को अपने हिस्से के पानी का उपयोग करते हुए झारखंड की जरूरत को समझना होगा और झारखंड को भी साझा नदी तंत्र की सीमाओं को ध्यान में रखना होगा। इसी संतुलन से समझौता टिकाऊ बनेगा।

समझौते के बाद दोनों राज्यों को एक समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए। नहरों और वितरण तंत्र की स्थिति का आकलन, आवश्यक निवेश, जल उपयोग की निगरानी और नियमित समीक्षा इसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, विवाद खत्म होने के बाद संवाद खत्म नहीं होना चाहिए। नदी का स्वभाव बदलता है, इसलिए जल प्रबंधन की संस्थाओं को भी बदलती परिस्थितियों के अनुरूप काम करना होगा।

सोन का अनुभव देश के दूसरे अंतरराज्यीय जल विवादों के लिए भी महत्वपूर्ण है। पानी पर संघर्ष बढ़ने के पीछे केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि आंकड़ों की अस्पष्टता, अविश्वास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी होती है। यदि राज्यों के बीच जल संबंधी आंकड़ों की साझेदारी, वैज्ञानिक आकलन और नियमित संवाद की व्यवस्था हो तो अनेक विवादों को गंभीर होने से पहले ही रोका जा सकता है।

इस पूरे मामले में एक बुनियादी सवाल फिर भी बना रहेगा–हम नदी को देखते कैसे हैं? यदि नदी को केवल बांध, नहर और जल की मात्रा के रूप में देखा जाएगा तो कोई भी समझौता अधूरा रहेगा। नदी एक जीवित प्राकृतिक तंत्र है, जिसके साथ मनुष्य की खेती, आजीविका और संस्कृति जुड़ी है। जल नीति को इस व्यापक दृष्टि की जरूरत है।

सोन पर हुआ समझौता इसलिए एक अंत नहीं, बल्कि शुरूआत है। करीब ढाई दशक पुराने विवाद को सुलझाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई है। अब उसी इच्छाशक्ति को प्रशासनिक दक्षता, वैज्ञानिक प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी में बदलना होगा।

अंततः इसकी सफलता का पैमाना कागज पर दर्ज 5.75 या 2 मिलियन एकड़-फीट पानी नहीं होगा। पैमाना यह होगा कि कितने खेतों तक सिंचाई पहुंची, कितने गांवों की पेयजल समस्या कम हुई और सोन का प्राकृतिक प्रवाह कितना सुरक्षित रहा।

सोन के पानी पर समझौता हो गया है। अब असली परीक्षा है–क्या पानी के साथ भरोसा भी बंटेगा, क्या विकास के साथ नदी भी बचेगी और क्या सहकारी संघवाद कागज से निकलकर खेत और गांव तक पहुंचेगा। यदि ऐसा हुआ तो यह समझौता केवल 25 साल पुराने विवाद का अंत नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय जल सहयोग की एक नई शुरूआत होगा।

संपादकीय

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई?

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। ...

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'पोषण की शक्ति को जानें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं।

कानून का डर ही नहीं, संस्कारों की रोशनी भी जरूरी

कांतिलाल मांडोत

नाबालिग छात्रा के साथ बस में अपराध समाज के लिए चेतावनी, बेटियों की सुरक्षा केवल कड़े कानून से नहीं बल्कि चरित्र निर्माण से होगी...

नई दिल्ली में 16 वर्षीय छात्रा के साथ चलती बस में हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। पुलिस के अनुसार छात्रा ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक बस में सवार हुई थी और बाद में उसे दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में छोड़ दिया गया। मामले में बस चालक और परिचालक को गिरफ्तार किया गया है। घटना की जांच चल रही है और अदालत में आरोपों की पुष्टि तथा अंतिम दोष सिद्ध होना अभी बाकी है। लेकिन इतना जरूर है कि एक नाबालिग लड़की के साथ इस प्रकार की कथित घटना समाज के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कानून कड़े होने के बावजूद अपराधियों के मन में कानून का भय क्यों नहीं पैदा हो रहा है? देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कठोर प्रावधान मौजूद हैं। नाबालिगों की सुरक्षा के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है और गंभीर अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो स्पष्ट होता है कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून आवश्यक है, लेकिन अपराध रोकने के लिए कानून के साथ सामाजिक चेतना, नैतिक शिक्षा, परिवार के संस्कार और जिम्मेदार नागरिकता भी उतनी ही आवश्यक है।

यह घटना इसलिए भी चिंता बढ़ाती है क्योंकि पीड़िता एक छात्रा है। वह किसी सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ रही एक बच्ची है। परिवार से किसी बात को लेकर निकली, रास्ते में परिस्थितियों के कारण असहाय हुई और जिस वाहन को उसने मदद का माध्यम समझा, उसी में उसके साथ कथित अपराध हो गया। यह स्थिति बताती है कि सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अभी भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देनी चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन में चालक और परिचालक केवल वाहन चलाने या यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले कर्मचारी नहीं होते। उनके ऊपर यात्रियों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी होती है। इसलिए परिवहन कंपनियों और संबंधित विभागों को कर्मचारियों के सत्यापन, प्रशिक्षण और निगरानी को गंभीरता से लेना चाहिए। बसों में पर्याप्त निगरानी व्यवस्था, आपातकालीन सहायता, शिकायत तंत्र और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए। किसी भी यात्री को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि संकट की स्थिति में वह पूरी तरह अकेला है।

लेकिन सवाल केवल व्यवस्था का नहीं है। सवाल उस मानसिकता का भी है जिसमें किसी लड़की या महिला को कमजोर समझकर उसके साथ मनमानी करने की कोशिश की जाती है। किसी महिला की मजबूरी, अकेलापन या असहाय स्थिति किसी दूसरे व्यक्ति को अपराध करने का अधिकार नहीं देती। किसी की चुप्पी को सहमति समझना, विरोध को दबाने की कोशिश करना या डराकर अपनी बात मनवाना घोर अन्याय है। यह बहादुरी नहीं, बल्कि कायरता और चरित्रहीनता है। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं के सम्मान की शुरूआत घर से होती है। बच्चे क्या देखते हैं, क्या सुनते हैं और किस वातावरण में बड़े होते हैं, इसका उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना जरूरी है कि हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लड़की और लड़के में भेद किए बिना दोनों को मयार्दा, सहमति, जिम्मेदारी और दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का महत्व समझाना होगा। आज के समय में बच्चों और किशोरों पर उनके मित्रों, इंटरनेट, सोशल मीडिया और आसपास के वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। गलत संगत कई बार सही और गलत के बीच का अंतर कमजोर कर देती है। इसलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि परिवार ने संस्कार दिए हैं। परिवार, विद्यालय और समाज तीनों को मिलकर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभानी होगी। युवाओं को यह समझाना होगा कि क्षणिक आवेश में लिया गया गलत निर्णय पूरी जिंदगी को प्रभावित कर सकता है।

अपराध के बाद पीड़िता की जिंदगी पर पड़ने वाले प्रभाव को भी समाज को समझना होगा। किसी अपराध की सबसे बड़ी त्रासदी केवल घटना तक सीमित नहीं रहती। पीड़ित व्यक्ति को लंबे समय तक मानसिक पीड़ा, भय, सामाजिक दबाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी घटनाओं में पीड़िता को दोष देने, उसके चरित्र पर सवाल उठाने या घटना के लिए उसे जिम्मेदार ठहराने की मानसिकता पूरी तरह समाप्त होनी चाहिए। अपराध की जिम्मेदारी केवल अपराध करने वाले की होती है। परिवारों की भी जिम्मेदारी है कि बच्चे यदि किसी परेशानी में हों तो वे बिना डर अपनी बात परिवार के सामने रख सकें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए जहां बच्चा संकट में सबसे पहले अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सहायता मांग सके। संवाद की कमी कई समस्याओं को गंभीर बना देती है। बच्चों को यह विश्वास दिलाना आवश्यक है कि परेशानी में घर लौटना शर्म की बात नहीं, बल्कि समझदारी है।

इसके साथ ही प्रशासन और पुलिस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों का संरक्षण और निष्पक्ष कार्रवाई आवश्यक है। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। तेज और निष्पक्ष न्याय व्यवस्था समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत करती है। केवल कठोर सजा की घोषणा से अपराध नहीं रुकते; अपराध की निश्चित जांच, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया का प्रभावी होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

चौदह वर्ष पहले दिल्ली में हुई निर्भया घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उसके बाद कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देशभर में गंभीर चर्चा हुई। फिर भी समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएं बताती हैं कि कानून के साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन की जरूरत अभी समाप्त नहीं हुई है। किसी घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त करना पर्याप्त नहीं। वास्तविक बदलाव तब होगा जब महिलाओं का सम्मान हमारे व्यवहार का स्वाभाविक हिस्सा बनेगा।

यह भी याद रखना होगा कि हर अपराधी को केवल किसी दूसरे घर की बेटी के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। हर लड़की किसी की बेटी, बहन या परिवार का हिस्सा है, लेकिन उससे भी पहले वह स्वयं एक स्वतंत्र और सम्मानित इंसान है। महिलाओं का सम्मान रिश्ते के आधार पर नहीं, मानव गरिमा के आधार पर होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि अच्छा इंसान बनने की शिक्षा भी दें। पढ़ाई, नौकरी और आर्थिक सफलता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन चरित्र, संयम और संवेदनशीलता के बिना ये उपलब्धियां अधूरी हैं। परिवारों में संवाद बढ़े, विद्यालयों में नैतिक एवं नागरिक शिक्षा को महत्व मिले, युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित किया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। दिल्ली की यह घटना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। बेटियों की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है और न ही केवल सरकार की। यह परिवार, विद्यालय, परिवहन व्यवस्था, प्रशासन और समाज–सभी की साझा जिम्मेदारी है। कठोर कानून अपराध के बाद न्याय दिला सकता है, लेकिन संस्कार और जागरूकता अपराध होने से पहले रोकने की शक्ति रखते हैं।

अंततः हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी महिला या बच्ची के सम्मान से खिलवाड़ को कभी सामान्य नहीं माना जाएगा। गलत को गलत कहने का साहस परिवार से लेकर समाज तक विकसित करना होगा। क्योंकि कानून का भय अपराधी को रोक सकता है, लेकिन अच्छे संस्कार व्यक्ति को अपराध करने की सोच तक पहुंचने से रोकते हैं। जब कानून की मजबूती और संस्कारों की शक्ति साथ आएगी, तभी ऐसा समाज बनाया जा सकेगा जिसमें बेटियां भय के साथ नहीं, विश्वास और सम्मान के साथ घर से बाहर निकल सकें।

संक्षिप्त समाचार

मादुरो ने जेल से जारी की तस्वीरें और संदेश दिया ...मजबूती से डटा

काराकास, एजेंसी। अमेरिका की जेल में बंद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने पहली बार अपनी तस्वीरें जारी की और संदेश दिया कि वे जेल में मजबूती से डटे हुए हैं। न्यूयॉर्क की ब्रुकलिन जेल में बंद 63 वर्षीय मादुरो ने अपने टेलीग्राम और एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ग्रे रंग के ट्रैकसूट में मुस्कुराते हुए और उंगलियों से 'जीत' का इशारा करते दिख रहे हैं। मादुरो ने अपने समर्थकों से कहा, मैं चाहता हूं कि आप जानें कि हम मजबूती से खड़े हैं। वेनेजुएला फिर से उठ खड़ा होगा। बता दें कि जनवरी 2026 में अमेरिकी सेना ने एक गुप्त ऑपरेशन चलाकर मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। उन पर ड्रग तस्करी और आतंक फैलाने के आरोप हैं। इस मामले का ट्रायल 1 जून 2027 से शुरू होगा। मादुरो की यह तस्वीर ऐसे समय में आई है जब वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के साथ एक बहुत बड़ा समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका वेनेजुएला के लगभग 65 अरब बैरल के तेल भंडारों पर नियंत्रण या बड़ा हिस्सा हासिल करेगा।

किर्गिस्तान में एससीओ समिट में मोदी ने पुतिन को दिया भारत आने का न्यौता

बिश्केक,(ईएमएस)। किर्गिस्तान बिश्केक में हो रहे एससीओ समिट का मंगलवार को दूसरा दिन है। सोमवार को मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन समेत कई देशों के नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात की। सम्मेलन में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान और ईरान समेत 10 सदस्य देशों के नेता शामिल हो रहे हैं। पीएम मोदी ने भारत में अगले महीने होने वाली ब्रिक्स समिट के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन को न्योता दिया। मोदी ने कहा था- "भारत कुछ दिनों बाद ब्रिक्स समिट का आयोजन कर रहा है। सभी भारतीय आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि रूस में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या के मामले में भारत टॉप लिस्ट में है। पिछले कुछ सालों में यह संख्या 7 गुना बढ़कर 40,000 हो गई है। हम नियमित रूप से भारत और रूस के सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करते हैं। हमारे बीच पर्यटकों का आना-जाना भी काफी होता है, जिसमें 16फीसदी की वृद्धि देखी गई है। पीएम मोदी ने किर्गिस्तान में भारत से जुड़े लोगों से मुलाकात की, जिनमें प्रवासी सदस्य, शिक्षाविद, शोधकर्ता आदि शामिल थे।

नेपाल जलप्रलय में मरने वालों की संख्या 1000 के पार, तलाशी अभियान जारी

काठमांडू,(ईएमएस)। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,000 के पार हो गई है। 3,900 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। इनमें 600 से ज्यादा कर्मचारी हैं। माना जा रहा है कि ये त्रिशूली नदी के किनारे हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी परियोजनाओं में बनी मिट्टी से भरी सुरंगों के बड़े नेटवर्क में फंसे हुए हैं। इंजीनियर इन सुरंगों के अंदर हवा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। एक टीम सुरंग के अंदर जाने में कामयाब भी हुई, लेकिन वहां किसी को न पाकर उसे वापस लौटना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 33 साल के इंजीनियर ऑरस भंडारी एक परियोजना स्थल से लापता हैं। उनकी पत्नी अनुशिला भंडारी ने कहा कि काश हम उन्हें ढूंढ पाते। काश वह घर वापस आ जाते। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने कहा है कि इन परियोजना स्थलों से 279 लोगों को बचाया जा चुका है। बचाव अभियान की अगुआई चीन और नेपाल के सैन्यकर्मियों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम कर रही है। भारत, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ भी इस अभियान में शामिल हैं सभी लापता लोगों की तलाश में दिन-रात जुटे हैं।

टोरंटो में मोहन भागवत ने कहा- भारत 'महाशक्ति' नहीं, बल्कि 'विश्वगुरु' है

टोरंटो, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत 'महाशक्ति' (सुपरपावर) बनकर नहीं, बल्कि मानवता की निस्वार्थ सेवा के जरिए 'विश्वगुरु' बना है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के सभ्यतागत डीएनए में सार्वभौमिक मित्रता, शरण देने की भावना और विविधता के प्रति सम्मान निहित है.

टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु - मित्रता में विश्व को गले लगाओ' सभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने दुनिया भर में उत्पीड़न और युद्ध से भागने वालों के लिए एक अभयारण्य के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा, 'कोई भारत को महाशक्ति कह सकता है, लेकिन यह ऐसा नहीं है. इसने दुनिया की सेवा की और अपने चरित्र से यह 'विश्वगुरु' बन गया, महाशक्ति नहीं.'

मोहन भागवत ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकट के दौरान भारत के आगे बढ़ने के ऐतिहासिक और आधुनिक उदाहरणों को याद किया. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश शरणार्थियों की दुर्दशा को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे जामनगर के महाराजा ने उन्हें सुरक्षित घर लौटने तक शरण और सुरक्षा की पेशकश की थी. संकट के समय मदद करने की भारत की परंपरा का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं और यह सिलसिला अभी भी जारी है.' उन्होंने मध्य पूर्व में हाल के संघर्षों के दौरान लोगों को सुरक्षित निकालने के अभियानों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे भारत के सैन्य परिवहन विमानों ने न सिर्फ भारतीय नागरिकों को, बल्कि युद्धग्रस्त इलाक़े में फंसे सात अन्य देशों के नागरिकों को भी बचाया. उन्होंने कहा, 'जब कुछ साल पहले मध्य पूर्व में युद्ध के दौरान लोग फंस गए थे, तो भारत के सैन्य विमान वहाँ गए और न सिर्फ भारतीय नागरिकों को, बल्कि सात अन्य देशों के नागरिकों को भी वहाँ से सुरक्षित निकाला.' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐतिहासिक रूप से भारत में मुसलमानों, ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों को बिना किसी उत्पीड़न के डर के शांतिपूर्ण आश्रय और ज्ञान मिला है. भागवत ने कहा, 'दुनिया में कहीं भी अगर किसी पर जुल्म हुआ, तो उसे भारत में ही शरण मिली.' आरएसएस प्रमुख ने भारत की ऐतिहासिक वैश्विक पहुंच और साम्राज्यवादी विस्तारवाद के बीच अंतर बताते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता ने अपना दबदबा बनाने के बजाय ज्ञान का प्रसार किया.

'हमारे पूर्वजों ने मैक्सिको से साइबेरिया तक यात्रा की, उन्होंने पैदल ही हिमालय पार किया, छोटी नावों से दक्षिण-पूर्व एशिया गए, लेकिन उन्होंने किसी देश पर कब्जा नहीं किया. उन्होंने ज्ञान, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और सभ्यता से जुड़े मूल्य सिखाए. आज भी, जब कोई आम भारतीय किसी देश में जाता है, तो वहां के लोग नमस्कार करते हैं. दूसरों की मदद करने की भारत की सभ्यतागत परंपरा पर जोर देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब भी मुसीबत में फंसे लोगों ने मदद मांगी, तो देश ने कभी मना नहीं किया और अक्सर बिना मांगे ही मदद का हाथ बढ़ाया. यही परंपरा है. यही भारत का डीएनए है. हिंदू दर्शन के मूल भाव को समझाते हुए, भागवत ने स्पष्ट किया कि यह पहचान भाषाई या धार्मिक सीमाओं से कहीं ऊपर है. जब मैं हिंदू कहता हूं, तो हिंदू शब्द को किसी खास भाषा, किसी खास पूजा-पद्धति या किसी खास जीवनशैली से परिभाषित नहीं किया जा सकता,' उन्होंने कहा और जोड़ा कि हिंदू 'सभी का सम्मान करते हैं' और 'सभी को स्वीकार करते हैं'.

भागवत ने मानवता की मूल एकता को पहचानते हुए विविधता को अपनाने का भी आह्वान किया. हमें इस विविधता की सेवा करनी चाहिए, इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह एकता की अभिव्यक्ति है. यह उसे सुंदर बनाती है. यह उसकी शोभा है. हम इसका उत्सव मनाते हैं,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सोच विविधता को स्वाभाविक मानती है, जबकि एकता को मूल सच्चाई मानती है. यहां कई जातियां, कई पंथ और कई भाषाएं रही हैं. सब कुछ अनेक है. प्रकृति, सच्चाई की अभिव्यक्ति, विविध है. विविधता स्वाभाविक है. एकता ही सच्चाई है.

आपको सच्चाई को ध्यान में रखते हुए स्वाभाविक चीजों से निपटना होगा. यही भारत की प्राचीन सोच है,' उन्होंने आगे कहा. 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे इस विचार को मानते हैं कि पूरी दुनिया एक परिवार है. 'जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को अपनाते हैं. यानी यह विश्वास कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भले ही लोगों की शारीरिक बनावट अलग-अलग हो, 'मूल रूप से हम सब एक हैं।

अमेरिका: ग्रैंड कैन्यन में अचानक आई बाढ़, 15 लोग लापता; 62 को सुरक्षित निकाला

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ के बाद करीब 15 लोगों के लापता होने की खबर है। अचानक आई बाढ़ ने ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रैंच इलाके को प्रभावित किया। नेशनल पार्क सर्विस के अनुसार, बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर, धातु के ढांचे और अन्य मलबा बहाकर कोलोराडो नदी में ले गई। नेशनल पार्क सर्विस ने बताया कि वह प्रभावित इलाके से लोगों को निकालने और वहां मौजूद लोगों का पता लगाने के लिए एरिजोना के अधिकारियों के साथ काम कर रही है। एजेंसी ने लापता लोगों या इलाके में मौजूद पैदल यात्रियों के बारे में किसी भी जानकारी की अपील की है।

बाढ़ ने बहाए कई पुल, इलाके का बदला नजारा : शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे ब्राइट एंजेल क्रीक में अचानक बाढ़ शुरू हुई। यह नाला आगे जाकर कोलोराडो नदी में मिलता है। तेज बहाव ने नाले पर बने पैदल पुलों को बहा दिया और इलाके का स्वरूप काफी बदल गया। इलाके के वीडियो में नाले का तल पहले की तुलना में चौड़ा दिखाई दे रहा है। इसके अलावा वहां नदी के तेज बहाव वाला एक नया हिस्सा भी बनता नजर आ रहा है। यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर कोलोराडो रिवर स्टडीज के निदेशक जैक शिमट ने कहा, 'यह याद दिलाता है कि ग्रैंड कैन्यन कितना गतिशील और सक्रिय भू-दृश्य है। ' बाढ़ से बची एरिका वियोला ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि शनिवार दोपहर बारिश शुरू होने के समय वह ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड में थीं। उनके साथ करीब 50 अन्य पैदल यात्रियों ने नाले का जलस्तर बढ़ते देखा। इसके बाद मलबा बहना शुरू हो गया, जिसमें एक इमारत का हिस्सा भी नजर आया। उन्होंने बताया कि समूह को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस वजह से उनका अभियान तय समय से दो दिन पहले ही खत्म हो गया। फ्लैगस्टाफ में राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी जस्टिन जॉन्ड्रो के अनुसार, चट्टानी इलाके में करीब 30 मिनट के भीतर आधा इंच से एक इंच तक बारिश हुई। इस इलाके में जमीन काफी ऊंचाई से नीचे की ओर जाती है। जॉन्ड्रो ने कहा, 'इसका ज्यादातर पानी तुरंत बह गया।' उन्होंने बताया कि बाढ़ ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में आई, जहां ब्राइट एंजेल क्रीक नॉर्थ रिम से नीचे उतरकर कोलोराडो नदी में मिलती है।

गर्म होता हिमालय बढ़ा रहा आपदाओं का खतरा

त्सांगबू री , एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में त्सांगबू री के पास ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने और उसके मलबे से भोटे कोसी-त्रिशूली नदी तंत्र में अचानक बाढ़ आने की घटना ने हिमालय में बढ़ते जलवायु और भूगर्भीय जोखिम की गंभीरता फिर सामने ला दी। वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय अब केवल बर्फ पिघलने की समस्या से नहीं, बल्कि पूरे पर्वतीय तंत्र में हो रहे बदलावों से जूझ रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अध्ययन बताते हैं कि हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। इससे आने वाले दशकों में पानी की उपलब्धता के साथ-साथ ग्लेशियल झीलों के विस्तार और अचानक बाढ़ का जोखिम भी बढ़ रहा है। ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ उनकी जगह बड़ी और अस्थिर झीलें बन सकती हैं। इन झीलों के किनारे अक्सर बर्फ, चट्टान और ढीले मलबे से बने होते हैं। भूकंप, अत्यधिक बारिश, हिमस्खलन या चट्टान गिरने से इनके टूटने पर कुछ ही मिनटों में भारी मात्रा में पानी और मलबा नीचे की घाटियों में पहुंच सकता है। तापमान बढ़ने से यह पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहा है। इसके कमजोर होने से चट्टानी ढलानों की स्थिरता घट सकती है।

आइसलैंड के लोगों का ईयू में शामिल होने से इनकार : रेक्याविक, एजेंसी। आइसलैंड के मतदाताओं ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के सरकार के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। सरकारी प्रसारक आरयूवी ने बताया कि अभी कुछ मतों की गिनती बाकी है, लेकिन इनके नतीजे से परिणाम बदलने की उम्मीद नहीं है। सरकार ने सदस्यता को व्यापार युद्धों और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा के लिए जरूरी बताते हुए इसे अब या कभी नहीं का मौका करार दिया था।

मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों से की एकजुट होने की अपील, अमेरिका-इजरायल को बताया क्षेत्र का बड़ा दुश्मन

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के छह महीने पूरे होने के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों और इस्लामी राष्ट्रों के नाम बड़ा संदेश जारी किया है। उन्होंने क्षेत्र के देशों से आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने की अपील की और अमेरिका तथा इजरायल को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। खामेनेई का यह संदेश ऐसे समय सामने आया है, जब लंबे समय से जारी संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया में राजनीतिक और सैन्य तनाव बढ़ा दिया है। पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिवस के अवसर पर जारी लिखित बयान में मोजतबा खामेनेई ने मुस्लिम देशों के बीच सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों को अपने साझा हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मुस्लिम देशों में फूट से दुश्मनों को फायदा : मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश में कहा कि मुस्लिम समुदाय और इस्लामी देशों के बीच किसी भी तरह का विभाजन बाहरी शक्तियों को फायदा पहुंचाता है। उनके अनुसार, राजनीतिक और धार्मिक मतभेदों को बढ़ाने वाले कदम क्षेत्र की एकता को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति या नेतृत्व अगर ऐसा कार्य करता है जिससे समाज और देशों के बीच फूट पैदा हो, तो इसका लाभ उन ताकतों को मिलता है जो क्षेत्र को अस्थिर रखना चाहती हैं। खामेनेई ने खाड़ी देशों के नेताओं से आपसी सहयोग बढ़ाने और साझा सुरक्षा हितों पर मिलकर विचार करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव से अलग होकर क्षेत्रीय देशों को अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के आधार पर भविष्य की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों के बाद बढ़ा तनाव : युद्ध के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कई बार गंभीर स्तर तक पहुंच चुका है। संघर्ष के शुरुआती दौर में अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद ईरान की सर्वोच्च राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व व्यवस्था में बड़े बदलाव हुए और मोजतबा खामेनेई ने देश की सर्वोच्च जिम्मेदारी संभाली। पद संभालने के बाद उन्होंने सार्वजनिक भाषणों या वीडियो संदेशों के बजाय मुख्य रूप से लिखित बयानों के जरिए अपने विचार रखे हैं। पिछले छह महीनों के दौरान क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ीं और ईरान की ओर से कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के दावे भी सामने आए। इन घटनाओं के बाद सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत, कतर और बहरीन समेत कई देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीति को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। अपने संदेश में मोजतबा खामेनेई ने केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर ही नहीं, बल्कि ईरान की घरेलू स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील की।

उत्तरी साइप्रस के पास लगभग 270 लोगों को ले जा रही एक फेरी पलटी, 8 लोगों की मौत

बोडरम (तुर्की), एजेंसी। उत्तरी साइप्रस के तट पर रविवार (30 अगस्त) को एक दर्दनाक घटना घटी। लगभग 270 यात्रियों और क्रू सदस्यों को ले जा रही एक फेरी के पलट जाने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इस दौरान खबर सामने आई कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 22 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

कहां जा रही थी फेरी : कैटामरन शैली की यह फेरी उत्तरी साइप्रस के क्यरेनिया (गिर्ने) बंदरगाह से मर्सिन प्रांत के तुर्की बंदरगाह तसुचु जा रही थी। मिली जानकारी के मुताबिक, ये फेरी साइप्रस तट से लगभग 7.5 किलोमीटर दूर ही हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे के बाद लोग फेरी के आसपास पानी में लाइफ जैकेट पहने दिखे। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया गया। इस मामले में उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्टेल का बयान भी सामने आया। उन्होंने तुर्की राज्य प्रसारक टीआरटी न्यूज चैनल को बताया कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है। 24 लोगों की तलाश जारी है। काइरेनिया के मेयर मूरत सेनकुल ने कहा कि यह जहाज़ फिलो डेनिज़सिलिक फेरी कंपनी का था और साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास डूब गया. टीआरटी ने बताया कि फेरी में तट से लगभग 7.5 किलोमीटर (4 नॉटिकल मील) दूर पानी भरने लगा. मौके के वीडियो फुटेज में लोग पलटी हुई नाव के आसपास पानी में लाइफ-वेस्ट पहने तैरते हुए दिख रहे हैं. वहीं नॉर्थ साइप्रस के ट्रांसपोर्टेशन मंत्री एरहान अरिकली ने कहा कि अभी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. मंत्री ने आगे बताया, हमें नहीं पता कि जहाज में पानी किस वजह से भरा है. हालांकि, कई कंपनियां कायरिनिया और तासुकु के बीच व्यस्त मार्ग पर फेरी चलाती हैं. बता दें कि मेडिटेरियन सागर में नाव के हादसे का शिकार होना आम बात है। पिछले साल मार्च में साइप्रस के केप ग्रेको के पास एक नाव पलटी थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी. उस्टेल ने ये भी बताया कि फेरी इस हादसे का शिकार क्यों हुई। उन्होंने बताया कि फेरी को प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। रवाना होने के महज 15 मिनट बाद ही उसमें पानी भरने लगा था। इसके थोड़े समय बाद ही मदद के लिए कॉल किया गया था। क्यरेनिया के मेयर मुरात सेंकुल इस मामले पर बताया कि साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास फेरी डूबी थी। वियतनाम में भी स्पीडबोट पलटने से भी हुई थी 15 लोगों की मौत जुलाई की शुरुआत में वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास हॉन मे रट न्गोई के पास 32 भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था।

नेपाल त्रासदी: प्रधानाचार्य ने 1643 बच्चों की जिंदगी बचाई, सलाम कर रहे लोग; तीन मंजिला स्कूल पूरा बह गया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। नेपाली सेना ने कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों से 361 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला है। पर, रसुवा व नुवाकोट में अब भी 898 कामगार फंसे हुए हैं। नुवाकोट की त्रिशूली-3ए परियोजना में जवान सुरंग में छेद बनाकर अंदर पहुंचे, पर वहां कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बचावकर्मियों ने छह इंच का छेदकर पाइप से ऑक्सीजन व भोजन भेजा है।

सैन्य अफसरों के मुताबिक, त्रिशूली-3ए में 35 कर्मचारियों के फंसे होने का अनुमान है। चार किमी लंबी सुरंग में रोशनी, हवा के लिए चार छेद किए गए हैं। इसके जरिये सुरंग में जाने पर सात मीटर व्यास वाले हिस्से में काफी ऊंचाई तक पानी भरा मिला। ड्रिलिंग व ब्लास्ट के जरिये सुरंग का छेद बड़ा कर कामगारों तक पहुंचने की तैयारी है। भारत-चीन के विशेषज्ञ भी लोगों को बचाने के अभियान में मदद दे रहे हैं। तबाही के बीच नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र दवाड़ी ने सूझबूझ से 1643 बच्चों की जिंदगी बचा ली। दोस्त से बाढ़ की चेतावनी मिलते ही उन्होंने घंटी बजाकर स्कूल आ चुके 900 बच्चों व शिक्षकों को ऊंचे स्थानों पर भेज दिया। 700 से अधिक बच्चे पैदल और बसों से स्कूल की ओर आ रहे थे। उन्होंने बसों से संपर्क कर वहीं से लौटने को कहा। एक बस स्कूल के पास पुल तक पहुंच चुकी थी। 47 साल के दवाड़ी ने उसे वापस भेजा। जैसे ही बस पुल के दूसरी ओर पहुंची, पुल बह गया। कुछ ही देर में त्रिशूली नदी के सैलाब में तीन मंजिला स्कूल भवन पूरी तरह बह गया।

अब तक 788 मौतों की पुष्टि, 2500 से अधिक लापता : नेपाल में 26 अगस्त को आई आपदा में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। 2,502 लोग लापता हैं। इनमें 512 विदेशी नागरिक हैं। अब तक 9435 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अपनों को खोजने के लिए लोग तस्वीरें लेकर अस्पतालों के सामने खड़े हैं। शवों की पहचान के लिए आए परिजन अपना दर्द छिपा नहीं पा रहे।

दिल्ली में रहने वाले नेपाली भी मदद के लिए तत्पर, जुटाए 90 लाख : अपने परिवार और परिचितों की सलामती जानने के लिए लोग लगातार संपर्क कर रहे हैं। कई लोग अपनों को खो चुके हैं, जबकि कइयों के परिजन अब भी लापता हैं। ऐसे मुश्किल समय में दिल्ली में रहने वाले नेपाली मूल के लोगों ने अपनी कमाई से नेपाल की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। दिल्ली में नेपाली मूल के करीब दो से तीन लाख लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या में नौकरी और दूसरे काम करने वाले लोगों की है। दिल्ली में नेपाली समुदाय से जुड़ी करीब 23 संस्थाएं सक्रिय हैं। इन संस्थाओं ने मिलकर अब तक करीब 90 लाख रुपये जुटाए हैं। यह राशि नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी गई है। मित्र मंच मानव कल्याण समिति के महासचिव कांशीराम आचार्य ने बताया कि 90 लाख रुपये का योगदान आपदा के सामने भले ही छोटा हो, लेकिन समुदाय अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। दिल्ली-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष युवराज बराल ने बताया कि दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों से नेपाल की मदद के लिए आगे आने की अपील की जा रही है।

जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक : अमेरिका पहुंचीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एशविले, एजेंसी। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लेने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार (अमेरिकी स्थानीय समय) को अमेरिका के साउथ कैरोलिना पहुंचीं। इस बैठक में ग्लोबल ग्रोथ, आर्थिक असंतुलन, सरकारी कर्ज और ईरान संघर्ष के नतीजों पर चर्चा होगी। ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सीतारमण का स्वागत किया। सीतारमण सोमवार से नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में शुरू होने वाली दो दिवसीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। भारत के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीड?िया प?लेटफॉर्म 'एक?स' पोस्ट में ल?िखा, 'केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण का आज साउथ कैरोलिना के ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत किया।

मंत्रालय ने बताया कि वित्त मंत्री अगले दो दिनों तक नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी20 और उससे जुड़ी बैठकों में भाग लेंगी। रविवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वार्श भी एशविल पहुंचे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों जॉइंट बेस एंड्रयूज से एक साथ वहां पहुंचे। बेसेंट जी20 के 19 सदस्य देशों, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ के वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक गवर्नरों की मेजबानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और आमंत्रित संगठनों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल होंगे। अमेरिका ने अपनी जी20 वित्तीय अध्यक्षता के दौरान आर्थिक विकास को सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाया है। एशविल पहुंचने के बाद स्कॉट बेसेंट ने 'एक?स' पर लिखा, 'जैसे राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नई गति देने और उसे अपनी सरकार की प्राथमिकता बनाने पर काम कर रहे हैं, वैसे ही हम भी इस वर्ष जी20 वित्तीय ट्रैक के मेजबान के रूप में आर्थिक विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं। ' उन्होंने कहा, 'हम दुनिया भर के नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र के नेताओं के साथ मिलकर यह संदेश देना चाहते हैं कि मजबूत आर्थिक विकास न केवल संभव है, बल्कि जरूरी भी है।' बैठक में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, लंबे समय से बने ग्लोबल आर्थिक असंतुलन को दूर करने, सरकारी ऋण संबंधी चुनौतियों से निपटने और अधिक मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने पर चर्चा होने की उम्मीद है। ईरान से जुड़े संघर्ष के आर्थिक प्रभाव, खासकर ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले व्यापार में व्यवधान, भी चर्चा के प्रमुख विषय रहेंगे। बताया जा रहा है कि अमेरिका इस बैठक और द्विपक्षीय वार्ताओं के जरिए ईरान के आर्थिक संबंधों को सीमित करने के अपने अभियान के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि, प्रतिबंधों, व्यापार शुल्कों (टैरिफ) और चीन की औद्योगिक नीतियों जैसे मुद्दों पर मतभेदों के कारण किसी व्यापक सहमति वाले दस्तावेज पर पहुंचना आसान नहीं माना जा रहा है। जी20 बैठक में शामिल होने से पहले सीतारमण ने शिकागो में निवेश, नवाचार और भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर केंद्रित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। एक कारोबारी गोलमेज बैठक में उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत में विनिर्माण इकाइयां, प्रौद्योगिकी केंद्र और नवाचार केंद्र स्थापित करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि कंपनियां भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों की सेवा देने के आधार के रूप में उपयोग कर सकती हैं। सीतारमण ने कहा, 'नीतिगत माहौल लगातार ऐसा बनाया जा रहा है जिससे व्यवसायों को निवेश, विनिर्माण, नवाचार और विस्तार करने में सुविधा मिले। जब वैश्विक कंपनियां अपनी सप्लाई चेन और पूंजी निवेश की रणनीति पर दोबारा विचार कर रही हैं, तब भारत केवल एक बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश और संचालन के लिए एक मजबूत मंच भी प्रदान करता है।' वित्त मंत्री ने कृषि, रक्षा प्रौद्योगिकी और आतिथ्य क्षेत्र की कई प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इन बैठकों में एडीएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्त अधिकारी मोनीश पटोलावाला, शील्ड एआई के सह-संस्थापक और अध्यक्ष ब्रैंडन सेंग, तथा हयात के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क एस होपलामाजयिन शामिल थे। सीतारमण ने शिकागो में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के राजकोषीय सुधार कार्यक्रम, भारत के आर्थिक लक्ष्यों तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौतों के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा की। एशविल में अपनी बैठकों के बाद सीतारमण निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए न्यूयॉर्क जाएंगी। यह उनकी छह दिवसीय अमेरिका यात्रा का हिस्सा है।

असली आज़ादी

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं. लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी. ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है. इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं. बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं।

कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है. उनकी जगह अब व्हाइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमे बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं. अनकैप्ड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं. जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं. इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम ट्रॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंधावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स्[ाड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

वैभव ने बनाए 40 रन, ईस्ट जोन को 159 का मिला टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए।सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं। सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब

रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे शमी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 3 विकेट लेकर प्रोफेशनल क्रिकेट में अपने 900 विकेट पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ छठे भारतीय गेंदबाज बने। शमी ने 36 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल किया।

ब्राजील के खिलाफ भारत ने टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें- पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर- एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.
डिफेंडर-अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, ह्मिंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.
मिडफील्डर- अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.
फॉरवर्ड-एडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।
चार रिजर्व खिलाड़ी- गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाढ़ पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांसू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतकर चीन के सबसे बड़े खेल सितारों में अपनी जगह मजबूत की थी।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरीं और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहीं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुईं।उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें क्वालीफाइंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद क्लारा बुरेल को 6-1, 7-5 से मात दी। आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में एलेना प्रिदांकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6-0 की शानदार जीत के साथ 6-4, 3-6, 6-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मेसी के संन्यास पर पत्नी हुईं भावुक वीडियो और फोटो शेयर किया

नई दिल्ली। लियोनल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूसरी बार संन्यास लेने के फैसले ने दुनियाभर के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर के इस फैसले के बाद उनकी पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात जाहिर किए। उन्होंने मेसी का एक प्यारा वीडियो और बच्चों के साथ तस्वीर साझा की और उनके पूरे सफर को याद करते हुए दिल छू लेने वाला नोट लिखा।

तुम्हें इस तरह सफर खत्म करते देखना गर्व की बात

एंटोनेला ने अपने पोस्ट की शुरुआत मेसी के लिए गर्व जताते हुए की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें इस तरह अपने इस सफर का अंत करते देखना कितने गर्व की बात है।' उन्होंने कहा कि मेसी के सफर में कई साल, अनगिनत पल, खुशियां और मुश्किल दौर रहे। उन्होंने अपने पति को संघर्ष करते, गिरते और फिर उठते हुए करीब से देखा है। एंटोनेला ने लिखा, 'मैंने तुम्हें दुखी होते देखा, गिरते देखा और फिर उठते हुए भी देखा। मैंने तुम्हें तब भी आगे बढ़ते देखा, जब चीजें तुम्हारे मुताबिक नहीं हो रही थीं। और तुम्हें हर बार फिर से कोशिश करते और अपने विश्वास को बनाए रखते देखा।' यह संदेश मेसी के उस दौर की भी याद दिलाता है, जब अर्जेंटीना के साथ लगातार फाइनल हारने के बाद उन्होंने 2016 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, वह बाद में वापस लौटे और उनकी कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। एंटोनेला ने मेसी द्वारा साझा किया गया एक वीडियो अपनी स्टोरी पर लगाया है।

बच्चों के लिए सबसे खास रही पिता की कहानी

एंटोनेला के पोस्ट का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों ने मेसी के पूरे सफर को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे बच्चों का इस कहानी को बेहद करीब से देखते हुए बड़ा होना मुझे सबसे ज्यादा भावुक करता है। उन्होंने अपने पिता को उस चीज के लिए लड़ते देखा, जिसे वह हासिल करना चाहते थे। उन्होंने तुम्हें हार न मानते और आखिरी पल तक विश्वास बनाए रखते देखा।' मेसी और एंटोनेला के बच्चे अपने पिता के करियर के सबसे बड़े पलों के भी गवाह रहे हैं। खास तौर पर 2022 विश्व कप जीत उनके परिवार के लिए बेहद खास रही। अर्जेंटीना ने कतर में फ्रांस को हराकर विश्व कप जीता था और मेसी ने पहली बार अपने करियर में यह ट्रॉफी उठाई थी। एंटोनेला ने लिखा कि उनके बच्चों को मेसी को सब कुछ हासिल करते और विश्व कप की ट्रॉफी उठाते देखने का मौका मिला।

यूएस ओपन: अल्काराज जीते वावरिंका का सफर खत्म

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े मुकाबलों ने टेनिस प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लंबे ब्रेक के बाद एकल कोर्ट पर लौटे कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ शुरुआत की, जबकि तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ समाप्त हो गया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक, डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका और चोट से वापसी कर रहीं झेंग छिनवेन ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत

चार महीने के ब्रेक के बाद यूएस ओपन में वापसी कर रहे कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मिश्रित युगल में सेरेना विलियम्स के साथ शुरुआती मैच में हारने के बाद स्पेनिश स्टार ने एकल मुकाबले में अपनी लय हासिल कर ली। अल्काराज पूरे मुकाबले में नियंत्रण में नजर आए और उन्होंने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर खत्म

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन स्टेन वावरिंका को मैटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। उन्होंने 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन ने हार के बाद पलटा मुकाबला

अमेरिका के नंबर-1 बेन शेल्टन ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ धीमी शुरुआत की। वह पहला सेट 1-6 से हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 7-6(3), 6-2 से जीत लिए। शेल्टन ने इस तरह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से अपने नाम किया और हाल ही में कनाडा में अपने खिताब का सफल बचाव करने के बाद शानदार फॉर्म जारी रखी।

डेविस को मौका, स्टार्क-कमिंस की वापसी, लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया टीम से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। लाबुशेन ने पिछली 18 वनडे पारियों में 21.87 की औसत से रन बनाए हैं। ऑलराउंडर जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। युवा ओली पीक भी टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। कूपर कोनोली को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे

और नामीबिया में खेला जाना है।जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस साउथ अफ्रीका सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। हालांकि कमिंस ने संकेत दिया है कि वे साउथ अफ्रीका के सभी तीन वनडे नहीं खेलेंगे, ऐसे में मार्श फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

स्टार्क भी साउथ अफ्रीका सीरीज में वनडे टीम में वापसी करेंगे। जोश हेजलवुड दोनों सीरीज के लिए टीम में हैं। स्पेंसर जॉनसन भी एक साल से ज्यादा समय बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे, जबकि बिली स्टेनलेक को भी तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।

हिमांशी खुराना ने लगाई आसिम पर आरोपों की झड़ी

हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच जुबानी जंग चल रही है। यह विवाद बीते कुछ दिनों में ही काफी बढ़ गया है। आसिम की पोस्ट के बाद अब हिमांशी ने सोशल मीडिया के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जवाब दिया है।

हिमांशी ने पोस्ट में क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया के जरिए आसिम का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी धर्मांतरण का मुद्दा नहीं उठाया। इसके साथ ही आसिम द्वारा अपने स्वास्थ को लेकर रही की गई बातों पर भी प्रतिक्रिया दी। हिमांशी ने लिखा – मैंने किसी पर जबरन धर्मांतरण का आरोप नहीं लगाया। मैंने हमेशा सार्वजनिक रूप से अपनी निजी जीवन को साझा करते समय सम्मान और सावधानी बरती है। हर चीज चाहे वह बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो, या मेरी सेहत से जुड़े मामले हों, मैंने सम्मान बनाए रखा। मैंने अपने जीवन के इन पहलुओं को ईमानदारी से साझा किया है। कभी भी किसी का अपमान करने के लिए उपयोग नहीं किया। मैंने अपना पक्ष हमेशा मजबूती के साथ रखा है।

हेल्थ पर की गई टिप्पणी पर बोलीं

आसिम रियाज ने हिमांशी की हेल्थ से जुड़ी भी कई बातें कहीं थीं। इन पर हिमांशी ने कहा, 'जहां तक मेरे स्वास्थ्य का मज़ाक उड़ाया जाता है और मेरे संघर्षों पर सवाल किए जाते हैं, तो मुझे लगता है कि अब एक सीमा तय करने का समय आ गया है। मुझे भी सब कुछ बता देना चाहिए।'

सारे सबूत मेरे पास भी हैं

आगे हिमांशी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं, तो चलिए सब पर बात करते हैं। मेरे पास मेरे साथ हुई हिंसा से संबंधित तथ्य और सबूत हैं। उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी, मैं उसे भी साझा करने के लिए तैयार हूं। अगर आप मेरी छवि खराब करना चाहते हैं, तो अब मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आपकी तथाकथित छवि बचाने के लिए चुपचाप सब कुछ छुपाती रहूंगी, या बार-बार अपमानित और अनादर किए जाने पर भी चुप रहूंगी।'

लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया

हिमांशी खुराना ने अप्रत्यक्ष रूप से आसिम रियाज पर निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनल के लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया, लेकिन मैं अब उनके जैसी नहीं हूं। मैंने अपनी गरिमा बनाए रखी है और सम्मान दिखाया है, और बदले में मैं भी यही उम्मीद करती हूं। अगर उस सम्मान का प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है। अगर आप 'सबूत' का खेल खेलना चाहते हैं, तो चलिए इसे ईमानदारी से खेलते हैं। तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ।' इससे पहले आसिम रियाज ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हिमांशी को सभी आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने कभी हिमांशी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने हिमांशी की स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह भी बताई थी।

हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है, 'अनुपमा' का किरदार भी कुछ ऐसा ही है

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।'

24 साल बाद टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने लंबे फिल्मी करियर में एक्टिंग और डांस से तो दर्शकों का दिल जीता ही है, अब वह एक नई जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के लोकप्रिय फॉर्मेट पर आधारित है। खास बात यह है कि माधुरी करीब 24 साल बाद एक बार फिर टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों ने आकर्षित किया। शो में शामिल होने की वजह बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, ' ''कोण होणार करोडपती' सिर्फ सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह लोगों के आत्मविश्वास और सपने देखने की हिम्मत से भी जुड़ा है। मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ पाऊंगी। लोगों की जिंदगी के बारे में जानना और उनके सपनों को समझना मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।'' माधुरी ने एक्टिंग और होस्टिंग के बीच के अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ' 'एक अभिनेता को कैमरे के सामने किसी किरदार में ढलना पड़ता है, जबकि होस्ट के तौर पर वह खुद रह सकता हैं। इस शो में दर्शक मेरा स्वाभाविक अंदाज देखेंगे। मैं कंटेस्टेंट्स के सामने बैठकर उनकी जिंदगी के बारे में बात करूंगी और उनकी बातें सुनूंगी।'' 'कोण होणार करोडपती' के जरिए माधुरी करीब 24 साल बाद टीवी होस्टिंग में वापसी कर रही है। इससे पहले वह 'कहीं ना कहीं कोई है' नाम के टीवी शो को होस्ट कर चुकी हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों और दूसरे प्रोजेक्ट्स में ज्यादा ध्यान दिया।

मराठी 'केबीसी' फॉर्मेट को माधुरी से पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और नागराज मंजुले जैसे कलाकार होस्ट कर चुके हैं। शो के मेकर्स ने इसी महीने 'कोण होणार करोडपती' का पहला प्रोमो भी जारी किया था। इसमें माधुरी पारंपरिक महाराष्ट्रीयन अंदाज में नजर आई थीं। उनके इस लुक ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। प्रोमो सामने आने के बाद से ही शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। माधुरी के इस नए सफर की जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया था कि माधुरी को 'कौन बनेगा करोड़पति' के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करने के लिए चुना गया है। उन्होंने शो के प्रोमो की शूटिंग पूरी कर ली है और इसे हिंदी 'कौन बनेगा करोड़पति' के प्रीमियर एपिसोड के साथ जोड़े जाने की तैयारी थी। हिंदी 'केबीसी' को महानायक अमिताभ बच्चन होस्ट करते हैं।

सलमान खान 'मॉन्स्टर' के लिए खुद करेंग जोखिम भरे स्टंट्स

सलमान खान और नयनतारा की एक्शन फिल्म का नाम 'मॉन्स्टर' तय माना जा रहा है। अभी तक फिल्म को अस्थायी तौर पर 'SVC 63' के नाम से जाना जा रहा था। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तक टाइटल की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सलमान की इस फिल्म को को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस और काफी हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा। इसी बीच सेट से खबर आई है कि सलमान के बॉडी डबल को अचानक हार्ट अटैक आ गया। इसके बावजूद शूटिंग की रफ्तार न थमे, इसलिए उन्होंने खुद ही जोखिम भरे स्टंट्स करने का फैसला लिया है। सलमान शूटिंग को लेकर बेहद गंभीर हैं और नहीं चाहते कि किसी भी वजह से काम अटक। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम में नए स्टंट एक्सपर्ट्स को भी शामिल किया जा रहा है।

हेली शाह ने खुद में खोजा कॉमेडी का एक नया पहलू

टेलीविजन और ओटीटी पर अपने दमदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री हेली शाह अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ पहली बार कॉमेडी करती नजर आनेवाली हैं। हालांकि इस संदर्भ में हेली का मानना है कि इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करना उनके लिए उत्साह के साथ-साथ घबराहट से भरा अनुभव भी था, लेकिन शो के राइटर-डाइरेक्टर आतिश कपाड़िया के विश्वास और भरोसे ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने और अपने अभिनय के एक ऐसे पहलू को खोजने में मदद की, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया था। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए हेली ने कहा, 'यह पहला मौक़ा है जब मैं कॉमेडी कर रही हूं। मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की। और मैं सच कहूँ तो मैं बहुत नर्वस थी, मुझे बिल्कुल यकीन नहीं था कि मैं इसे कर पाऊंगी। सच कहूँ, तो अब मुझे लगता है कि यह अतिश सर का मुझ पर भरोसा और विश्वास ही था कि मैं यह कर पाई। मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मेरे अंदर वह चमक देखी, क्योंकि मैं सच में सेट पर खुद को पूरी तरह सरेंडर करके गई थी। मुझे नहीं पता था कि यह कैसा होगा और मैं क्या करूंगी।'

गौरतलब है कि हेली के लिए यह अनुभव सिर्फ एक नए जॉनर को आजमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके लिए अपने अभिनय के एक अनदेखे पहलू को खोजने का मौका भी बन चुका है, जिसमेंआतिश कपाड़िया ने उनकी मदद की। इस सिलिसले में हेली कहती हैं 'उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अपने एक ऐसे हिस्से को एक्सप्लोर करने में मदद की, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था। मुझे सच में नहीं पता था कि मैं कॉमेडी भी कर सकती हूं। और इसके लिए मैं सर की बहुत आभारी हूँ।'

क्या साथ नजर आएंगे करीना और धनुष?

संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मिथ्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है। निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों 'सरदार 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'सिनेमा विकटन' से बात करते हुए मित्रन ने कहा, 'करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं। उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा'। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है।

इसी साल शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्क्रिप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के लिए रणनीतिक विकास रोडमैप तैयार करने के मकसद से सिलवासा में विजन-2047 पर वर्कशॉप आयोजित

▪ दानह से बड़े कॉर्पोरेट रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और कई अन्य इंडस्ट्रीज ने भी इस वर्कशॉप में हिस्सा लिया और जरूरी इनपुट्स एवं मार्गदर्शन दिए

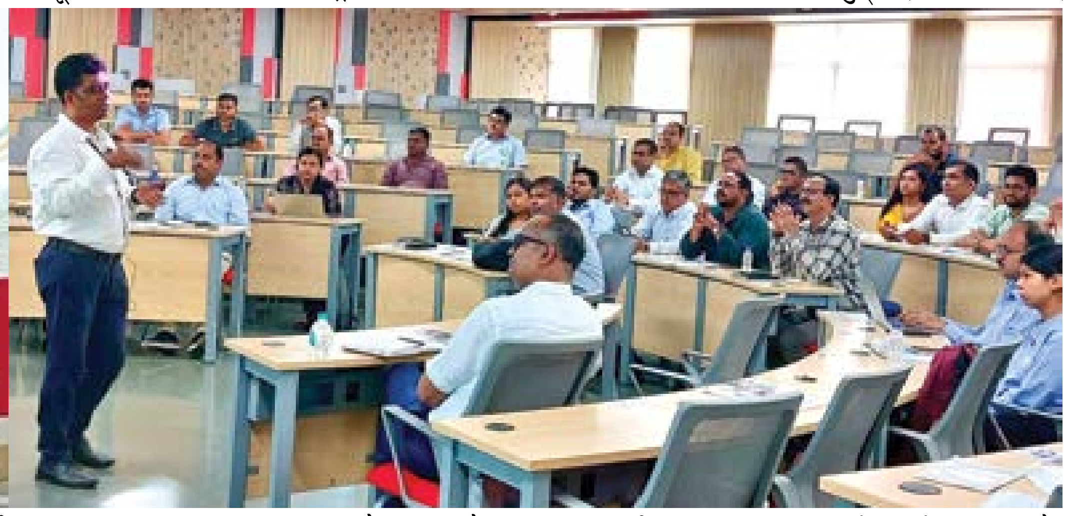

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 01 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के योजना और सांख्यिकी विभाग द्वारा 01 सितंबर को सिलवासा के नमो मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में स्टेट सपोर्ट मिशन के तहत विजन-2047 पर चर्चा के लिए एक वर्कशॉप आयोजित की गई। इस वर्कशॉप का मकसद एक व्यापक विजन-2047 दस्तावेज तैयार करना और दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव केंद्र शासित प्रदेश के लिए रणनीतिक और टिकाऊ विकास रोडमैप पर विचार-विमर्श करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन के साथ हुई, जिसके बाद परिचय और स्वागत भाषण हुआ। एसआईटी टीम के आशीष देवस्थली ने स्टेट सपोर्ट मिशन के दिशानिर्देशों और उद्देश्यों का विवरण प्रस्तुत किया, जिससे प्रतिभागियों को इस चर्चा प्रक्रिया के व्यापक विजन, ढांचे और उद्देश्यों की समझ मिली। इसके बाद, सामाजिक क्षेत्र के विशेषज्ञ सुदर्शन गोआला ने विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तृत प्रेजेंटेशन (भाग-1) दिए, जिनमें सामाजिक विकास, कृषि, शिक्षा, पर्यटन और उद्यमिता विकास कार्यक्रम जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। इसके बाद प्रेजेंटेशन का दूसरा भाग (भाग-2) हुआ, जिसमें खेल, स्वास्थ्य, उद्योग, शहरी-ग्रामीण विकास और मत्स्य पालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया। इन प्रेजेंटेशन में केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा स्थिति, चुनौतियों, अवसरों और भविष्य के विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। इस वर्कशॉप में विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थानों के लगभग 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें जिला पंचायत (दादरा नगर हवेली), सिलवासा नगरपालिका, लोक निर्माण विभाग, बिजली विभाग, शिक्षा विभाग, आंगणवाडी टीमें, चिकित्सा विभाग और अन्य संबंधित विभाग व हितधारक शामिल थे।

गैर-सरकारी संगठनों, समुदाय-आधारित संगठनों और ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के प्रतिनिधियों ने भी इस चर्चा प्रक्रिया में भाग लिया और अपने विचार रखे। फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज और अलग-अलग इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी वर्कशॉप में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अहम सुझाव दिए। ये सुझाव खास तौर पर केंद्र शासित प्रदेश के औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार पैदा करने, कौशल विकास और टिकाऊ आर्थिक विकास से जुडे मामलों पर थे।

आखिरी सेशन में खुली चर्चा और सेक्टर से जुडे सुझाव शामिल थे। इसमें प्लानिंग और स्टैटिस्टिक्स विभाग के साथ-साथ हिस्सा लेने वाले विभागों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने विजन-2047 रोडमैप तैयार करने के लिए अपने विचार, सुझाव और सेक्टर-खास इनपुट साझा किए। यह वर्कशॉप दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्लानिंग और स्टैटिस्टिक्स विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. संजम सिंह की कुशल देखरेख में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। उनकी लीडरशिप और कोशिशों की वजह से अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स की भागीदारी संभव हो पाई और बातचीत के दौरान सार्थक चर्चा सुनिश्चित हुई।

प्रशांत सिंह भारतीय खेल प्राधिकरण प्रादेशिक केन्द्र गांधीनगर के बने नए रीजनल डायरेक्टर

पीआईबी, अहमदाबाद 01 सितंबर। प्रशांत सिंह को भारतीय खेल प्राधिकरण प्रादेशिक केन्द्र गांधीनगर का रीजनल डायरेक्टर बनाया गया है, जो गुजरात और राजस्थान में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रादेशिक कार्य एवं विभिन्न योजनाओं की पूरी जिम्मेदारी संभालेंगे। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले प्रशांत सिंह को भारत में स्पोर्ट्स सेक्टर के अलग-अलग एरिया में काम करने का 10 साल से ज्यादा का अनुभव है। जिसमें स्पोर्ट्स पॉलिसी और प्रोग्राम को लागू करना, एथलीट डेवलपमेंट, बड़े स्पोर्ट्स इवेंट, स्पोर्ट्स साइंस और एथलीट सपोर्ट सिस्टम, स्पोर्ट्स कम्युनिकेशन, पब्लिक एंगेजमेंट और इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट शामिल हैं। प्रशांत सिंह खेलो इंडिया स्कीम की शुरुआत से ही इसके साथ करीब से जुड़े रहे हैं, जिसमें 2018 में पहले खेलो इंडिया स्कूल गेम्स का लॉन्च और मैनेजमेंट भी शामिल है। खेलो इंडिया गेम्स के 10 से ज्यादा एडिशन और 36वें नेशनल गेम्स में अलग-अलग कामों में काम करने के बाद, उन्होंने कई स्पोर्ट्स में नेशनल इवेंट के ऑर्गनाइज़ेशन और मैनेजमेंट के लिए सिस्टम और SOPs के डेवलपमेंट में योगदान दिया है। चुने हुए स्पोर्ट्स में उनके अनुभव में टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और ओलंपिक सेल के तहत ज़रूरी जिम्मेदारियाँ शामिल हैं, जिसमें ओलंपिक गेम्स में ज्यादा मेडल जीतने की संभावना वाले स्पोर्ट्स डिसिप्लिन पर फोकस करते हुए प्रायोरिटी ओलंपिक डिसिप्लिन पर काम करना शामिल है। उन्होंने एथलेटिक्स, रेसलिंग, हॉकी, साइकिलिंग, फेंसिंग और जूडो जैसे स्पोर्ट्स डिसिप्लिन के लिए स्पोर्ट्स डेवलपमेंट ऑफिसर के तौर पर भी काम किया है और कॉमनवेल्थ गेम्स 2022, एशियन गेम्स और एशियन पैरा गेम्स 2023 और पेरिस ओलंपिक्स एवं पैरालिंपिक 2024 के लिए भारतीय टीमों की तैयारी में योगदान दिया है। प्रशांत सिंह ने 2021 में सेंट्रल एथलीट इंजरी मैनेजमेंट सिस्टम को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई, जिसका मकसद एलीट और डेवलपिंग एथलीटों के लिए चोट की रोकथाम, डायग्नोसिस और रिहैबिलिटेशन सिस्टम को मज़बूत करना था। इस काम ने नेशनल सेंटर फ़ॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च फ्रेमवर्क के तहत भारत के स्पोर्ट्स साइंस और एथलीट-सपोर्ट इकोसिस्टम को पूरी तरह से मज़बूत करने और डेवलप करने में योगदान दिया। उन्होंने घरेलू कॉम्पिटिटिव इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने में भी योगदान दिया है, जिसमें खेलो इंडिया विमेंस लीग और खेलो इंडिया रिवैम्प्ड स्कीम के डेवलपमेंट जैसी पहल शामिल हैं। 2022 से प्रशांत सिंह ने एसएआई के मीडिया डिपार्टमेंट को लीड किया। कम्युनिकेशन, मार्केटिंग और पब्लिसिटी की देखरेख की और टोक्यो ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स 2022, एशियन गेम्स और एशियन पैरा गेम्स 2023 तथा पेरिस ओलंपिक्स और पैरालिंपिक्स 2024 के लिए #Cheer4India जैसे बड़े नेशनल कैंपेन के कॉन्सेप्ट और इम्प्लीमेंटेशन में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट को फिर से शुरू करने और बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाई है, जिसमें संडेज ऑन साइकिल कैंपेन भी शामिल है, जो अब देश भर में लोगों की भागीदारी वाली पहल बन गया है। उन्होंने खेलो इंडिया पॉलिसी और नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 सहित की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय खेल पहलों में भी काम किया है। प्रशांत सिंह ने एसएआई के ओएसडी के रूप में भी सेवा दी है। उन्होंने मुंबई में आईओसी सेशन 2023 के सफल आयोजन में योगदान देने के अलावा 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक गेम्स के लिए भारत की बोलियों और तैयारियों सहित स्ट्रेटेजिक पहलों पर ओलंपिक सेल के साथ मिलकर काम किया है। रीजनल डायरेक्टर के तौर पर नियुक्ति से पहले प्रशांत सिंह गांधीनगर में सीनियर मैनेजमेंट रोल में कार्यरत थे, जहाँ वे गुजरात और राजस्थान में एसएआई और मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स की अलग-अलग स्कीम्स को लागू करने और चलाने के लिए जिम्मेदार थे। एसएआई रीजनल सेंटर गांधीनगर के रीजनल डायरेक्टर के तौर पर प्रशांत सिंह गुजरात और राजस्थान में रीजनल स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को लीड करेंगे, जिसमें एथलीट-फर्स्ट अप्रोच, ट्रेनिंग और डेवलपमेंट सिस्टम को मज़बूत करने, टैलेंट की पहचान और डेवलपमेंट के रास्तों को बढ़ाने, स्पोर्ट्स साइंस और एथलीट-सपोर्ट सिस्टम का फ़ायदा उठाने और पोडियम-लेवल परफॉर्मेंस के लिए ज्यादा मौके बनाने पर जोर दिया जाएगा। इस अपॉइंटमेंट से प्रशांत सिंह का ग्रासरूट स्पोर्ट, एलीट एथलीट डेवलपमेंट, स्पोर्ट्स पॉलिसी, बड़े स्पोर्टिंग इवेंट्स, स्पोर्ट्स कम्युनिकेशन्स और स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेशन में बहुत ज्यादा एक्सपीरियंस एक साथ आएगा, क्योंकि वह गुजरात और राजस्थान में एसएआई के रीजनल ऑपरेशन्स की लीडरशिप संभालेंगे।

भीमपोर पंचायत के किसान शिविर में प्राकृतिक खेती और सरकारी योजनाओं पर दिया गया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के दमण कृषि विभाग द्वारा भीमपोर ग्राम पंचायत के सहयोग से आज भीमपोर पंचायत में कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं को लेकर किसान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में किसानों को कृषि एवं किसान कल्याण से संबंधित विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं, केंद्र सरकार एवं संघ प्रदेश प्रशासन की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही प्राकृतिक खेती के महत्व, लाभ एवं इसे अपनाने की पद्धति के संबंध में भी किसानों को आवश्यक जानकारी दी गई। कृषि विभाग की ओर से एक्सटेंशन अधिकारी अर्जुन सी. पटेल तथा सहायक कृषि अधिकारी ग्रेड-टू प्रवीण बगडा ने किसानों को विभिन्न कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं तथा प्राकृतिक खेती के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान किसानों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का भी समाधान किया गया। कार्यक्रम में भीमपोर ग्राम पंचायत के सरपंच उदय पटेल, ग्राम पंचायत के सदस्य, एफपीओ, एसएचजी, किसान भाई-बहन, पशुपालक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच उदय पटेल ने कृषि विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाने तथा उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने में ऐसे किसान शिविर अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर खेती को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाया जा सकता है। किसान हित एवं कृषि विकास को केंद्र में रखकर आयोजित यह शिविर भीमपोर पंचायत क्षेत्र के किसानों के लिए उपयोगी, जानकारीपूर्ण एवं मार्गदर्शक साबित हुआ।

सडक दुर्घटना मामले में आरोपी को जेएमएफसी न्यायालय ने ठहराया दोषी: पीड़िता को मिलेगा 25 हजार का मुआवजा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 01 सितंबर। दमण के सोमनाथ विस्तार में वर्ष 2022 में हुए सड़क हादसे के एक मामले में जेएमएफसी न्यायालय ने आरोपी विवेकानंद सिंह निवासी वापी को दोषी करार देते हुए शाम होने तक कोर्ट में रूकने की सजा और ढाई हजार रूपए के जुर्माने का आदेश दिया है। वहीं न्यायालय ने पीड़िता को 25 हजार का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 21 जून 2022 को सोमनाथ जंक्शन के पास सड़क पार कर रही अनीता वर्मा को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में अनीता वर्मा के पैर में चोट लगी थी। मामले में ट्रक नंबर जीजे-15-एबी-5341 के चालक के खिलाफ कार्रवाई की गई। मामले की जांच के बाद पुलिस द्वारा एफआईआर नंबर 53/2022 दर्ज की गई थी। जांच पूरी होने के बाद मामले के इंचार्ज अधिकारी ने 12 सितंबर 2022 को न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की थी। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री ओमकार जे. कुलकर्णी ने मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 6 गवाहों के बयान सुनने के बाद आरोपी विवेकानंद सिंह निवासी साई रेजिडेंसी, छीरी, वापी, जिला वलसाड, मूल निवासी बिहार को भारतीय दंड संहिता की धारा 279 और 338 और मोटर व्हीकल एक्ट 184 के तहत दोषी करार देते हुए शाम होने तक न्यायालय में रूकने के साथ-साथ 2,500 रूपये का अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दुर्घटना में घायल हुई अनीता वर्मा को 25,000 रूपये का मुआवजा दिए जाने का आदेश दिया है। सरकारी वकील श्रीराम देशपांडे ने मामले में जोरदार पैरवी की।

दादरा नगर हवेली के सायली ट्रीट रिसोर्ट के पास टर्निंग के दौरान कंटेनर ने मारी पल्टी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 01 सितंबर। दादरा नगर हवेली के सायली ट्रीट रिसोर्ट के पास 31 अगस्त की रात एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया। यहां टर्निंग के दौरान एक कंटेनर अचानक पलट गया। मिली जानकारी के अनुसार कंटेनर सामने से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। बताया जा रहा है कि यह कंटेनर उमरकुई स्थित हुतामाकी पीपीएल कंपनी से सामान लेकर मुंबई की ओर जा रहा था। इसी दौरान सायली ट्रीट रिसोर्ट के पास टर्निंग पर बाइक सवार को बचाने के चक्कर में चालक का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा और कंटेनर सड़क पर पलट गया। हादसे की जानकारी मिलते ही सायली पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)